जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, मंगलवार 24 जून, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

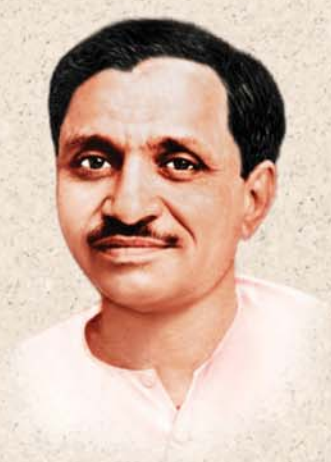

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

प्रदेश में पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा

24 जून से 09 जुलाई, 2025

का शुभारम्भ

24 जून, 2025

शिविरों में होने वाले प्रमुख कार्य

- लंबित पत्थरगढ़ी और सीमाज्ञान प्रकरणों का निस्तारण
- लंबित नामान्तरणों का निस्तारण
- लंबित कुर्रेजात रिपोर्ट तैयार करना
- रास्तों के प्रकरणों का निस्तारण
- आपसी सहमति से बंटवारा
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना हेतु 10,000 गांवों के बीपीएल परिवारों का सर्वे
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना में बीपीएल परिवारों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ने हेतु आवेदन
- स्वामित्व पट्टे बनाना एवं वितरण करना
- पानी की टंकियों की साफ-सफाई करवाना
- लंबित नल कनेक्शन जारी करना
- लीकेज की मरम्मत और जल-दबाव जांच
- नहरों के पटरों की सफाई एवं मरम्मत करना
- नर्सरियों से पौधा वितरण करना
- मृदा नमूनों का संग्रहण एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण करना
- मंगला पशु बीमा में रजिस्टर्ड पशुओं का हेल्थ सर्टिफिकेट और पॉलिसी जनरेट करना
- पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण
- एनएफएसए अन्तर्गत लंबित प्रकरणों का निस्तारण
- आयुष्मान कार्ड वितरण करना
- विद्यालयों में प्रवेशोत्सव आयोजित कर नामांकन बढ़ाना
- झूलते तार और विद्युत पोल सही करवाना

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

उपकार करके जताना इस बात का प्रतीक है कि किया गया समर्थन या कार्य उपकार नहीं है। –अज्ञात

नया भारत, सवाल - मुक्त भारत

जब से देश स्वतंत्र हुआ है, हम कुछ नारे समय-समय पर सुनते रहे हैं, चाहे सरकार किसी भी क्यों न हो। इनमें से कुछ प्रमुख हैं, भूख - मुक्त भारत, कुपोषण - मुक्त भारत, निरक्षरता - मुक्त भारत, भ्रष्टाचार - मुक्त भारत, शोषण - मुक्त भारत आदि-आदि। इस प्रकार का भारत बनाने के लिए विभिन्न सरकारों ने अनेक प्रयास किए, किंतु ऐसा भारत अभी तक बन नहीं पाया है। जिस प्रकार की स्थिति आज बन गई है, उससे तो यही कहावत सिद्ध हो रही है–"जैसे-जैसे दवा की मर्ज बढ़ता गया"।

स्वतंत्रता के 78 साल बाद भी भारत, असमानता, गरीबी, भ्रष्टाचार प्रेस स्वतंत्रता आदि के मानदंडों में विश्व में सबसे निचले स्थान वाले देशों में है।

भारत एक लोकतंत्र है, जिसका अर्थ ही यह है कि लोक की सत्ता सर्वोच्च है। तंत्र से यह अपेक्षा होती है कि वह लोक की भावना का सम्मान करे और अपनी योजनाएं इस प्रकार से बनाए कि वह उसके हितों का संवर्धन कर सके। सत्ता में बैठे लोग, स्वयं को जनता का सेवक समझें और अपनी क्षमता के अनुसार उनकी बेहतरी के लिए काम करे। जब कभी ऐसा होता ना दिखे तो लोक यानी नागरिक का यह अधिकार है कि वह सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछे। सत्ता में बैठे लोगों का यह कर्तव्य है कि वे पूछे गए प्रश्नों का संतोष जनक उत्तर दें। कई बार जब अकेला नागरिक कोई प्रश्न करने में समर्थ नहीं होता है तो उनकी ओर से यह काम नागरिक संगठनों या मीडिया द्वारा किया जाता है।

गत कुछ वर्षों की विभिन्न घटनाओं पर दृष्टिपात करने से यह स्पष्ट होता है कि आजकल सबसे जोखिम भरा काम सवाल पूछना हो गया है। इसके उदाहरण प्रतिदिन हमें देखने को मिलते हैं, जिनमें से कुछ का उल्लेख करना उचित होगा।

हाल ही में दिल्ली से भोपाल जाने वाली वंदे भारत ट्रेन में एक यात्री रजतप्रकाश ने अपना टिकट खिड़की के पास वाली सीट का बुक कराया और उसी पर पर वह बैठकर यात्रा कर रहा था। तभी, मध्यप्रदेश का एक विधायक वहां पर आया और उसे सीट बदलने के लिए कहा। जब उसने ऐसा करने के लिए नम्रता पूर्वक मना कर दिया तो झांसी रेलवे स्टेशन पर विधायक के कुछ लोगों ने ट्रेन में चढ़कर राज प्रकाश पर लातों, घूंसों की बौछार कर दी। इसके कारण राज प्रकाश लगभग अधमरा सा हो गया और उसकी नाक से खून बहने लगा। उसका दोष केवल यही था कि उसने विधायक के इच्छा अनुसार अपनी आवंटित सीट रिक्त नहीं की और उनसे इस बारे में प्रश्न पूछ लिया।

वैसे तो पूरे देश में ही प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति कम होती जा रही है। अपेक्षा यही की जाती है आपसे अधिक ताकतवर या सत्तासीन व्यक्ति द्वारा कही हुई हर बात को आप न केवल स्वीकार करें अपितु उसकी तारीफ में कशीदे भी पढ़ें। यही आजकल, सफलता की सीढ़ी बन गई है। प्रश्न पूछना वैज्ञानिक सोच की पहचान है और इसी वैज्ञानिक सोच को विकसित करने की जिम्मेदारी संविधान के अनुसार सरकारों पर है, किंतु आजकल प्रश्न पूछने पर, उसका किसी न किसी प्रकार उत्पीड़न प्रारंभ कर दिया जाता है।

जब देश में बेरोजगारी चरम पर हो और गरीबी के कारण 80 करोड लोगों को मुफ्त में राशन बांटना पड़े और कोई नागरिक इसे सरकार की विफलता बताते हुए उससे प्रश्न कर ले तो उसे देश विरोधी करार दे दिया जाता है। सवाल नोटबंदी या अचानक देश में लॉकडाउन के कारण होने वाली परेशानियों के बारे में हो, इसे पसंद नहीं किया गया। यदि पहलागाम में निर्दोष पर्यटकों को बेरहमी से मारने वाले आतंकियों को न पकड़ पाने के कारण कोई नागरिक प्रश्न कर ले, तो उसे भी राष्ट्र विरोधी घोषित करने में सत्ता धारी दल कोई समय नहीं लगाता।

भारत के अपने पड़ौसी देशों से खराब संबंध हों, तब भी आप विदेशी नीति पर कोई सवाल नहीं कर सकते। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार भारत और भारतीयों का अपमान करे और पाकिस्तान को महान देश बताए तब भी आप सरकार की विदेश नीति पर सवाल नहीं कर सकते। ट्रंप द्वारा सीजफायर कराने की बात बार बार कहने पर भी, प्रधानमंत्री द्वारा सार्वजनिक रूप से इसका खंडन न करने पर इसे विदेश नीति की असफलता कहते हुए सरकार से कोई प्रश्न कर ले तो यह भी सत्ता धारी लोगों को परेशान कर देता है। सरकार ऐसे प्रश्न पूछने वालों पर पर ही कार्रवाई प्रारंभ कर देती है।

आजकल तो सरकार एक कदम और आगे बढ़ गई है। यदि कोई वकील किसी की पैरवी करे जिससे सरकार प्रसन्न नहीं है तो उसे भी नोटिस मिल जाता है और उससे यह जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है कि उसने कैसी कानूनी सलाह अपने मुवक्किल को दी है? जब वकील द्वारा ऐसा नहीं किया जाता है तो ई डी द्वारा उन्हें ही नोटिस दे दिया गया। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ एडवोकेट दातार और वेणुगोपाल के विरुद्ध ऐसे नोटिस दिए गए।हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस पर तत्काल रोक लगा दी, किंतु इससे सत्ताधारी लोगों की मंशा पर तो प्रश्न चिन्ह लगता ही है।

आज जिस प्रकार की विदेश नीति भारत की हो गई है, उसके बारे में क्या किसी का यह साहस हो सकता है कि वह सरकार से निम्न प्रश्न पूछे:-

भारत ने सदैव अपने स्वाभिमान की रक्षा करते हुए बिना किसी दबाव की परवाह किए सच का साथ दिया। ऐसी नीति के कारण भारत गुटनिरपेक्ष आंदोलन का नेतृत्व करने वाले देशों में रहा। हमारे संबंध किसी देश से कभी अत्यंत खराब कभी नहीं हुए।

प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में अपने शपथ ग्रहण समारोह में सार्क देशों के प्रमुखों को बुलाकर यह संदेश दिया था कि वे भारत के पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंधों को महत्व देते हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की साधारण सभा में भी 2015 में यह भाषण दिया था कि उनके लिए 'नेबरहुड फर्स्ट' की नीति रहेगी, अर्थात उनके लिए पड़ोसी देशों से अच्छे संबंध बनाना प्राथमिकता होगी। आज हमारे संबंध नेपाल, श्रीलंका, मालदीव्स, बांग्लादेश, भूटान, किसी से अच्छे नहीं हैं। अब तो चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच त्रिपक्षीय वार्ता और समझौते हो रहे हैं। ऐसा क्यों हुआ?

क्यों भारत यह साहस नहीं जुटा पाता कि वह इजराइल द्वारा गाज़ा में किए जा रहे नरसंहार की निंदा कर सके।

> **सबसे अच्छा तरीका तो यह होगा कि प्रधानमंत्री अपने 11 साल के कार्यकाल पर एक खुली प्रेस वार्ता आयोजित करें (जो उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली होगी), जिसका सीधा प्रसारण सभी राष्ट्रीय चैनलों से किया जाय। मुझे पूरा विश्वास है कि मेरे प्रधानमंत्री अपनी उत्कृष्ट वाक कला और वाक चातुर्य से अपने आलोचकों का मुंह बंद कर देंगे।**

इजरायल - ईरान में हम ईरान का साथ क्यों नहीं दे रहे हैं? 1994 में ईरान के साथ के कारण ही भारत के विरुद्ध कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन का मामला संयुक्त राष्ट्र में नहीं जा पाया था। यह उल्लेखनीय कि ईरान और भारत का संबंध हजारों वर्ष पुराना है। पाठकों को यह याद दिलाना उपयुक्त होगा कि 1994 में जब ओ आई सी (ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कंट्रीज) के द्वारा यह प्रस्ताव पारित किया जाना था कि भारत कश्मीर में मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहा है, तो ईरान ने अपने अकेले बलबूते पर इस प्रस्ताव को पारित होने से रोका। ओ आई सी में प्रस्ताव पारित होने के लिए सर्वसम्मति होना आवश्यक था। ईरान द्वारा इसका विरोध करने पर यह पारित नहीं हो पाया। इसके लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने गंभीर रूप से अस्पताल में भर्ती विदेश मंत्री दिनेश सिंह को ईरान भेजा। वे सुबह जाकर शाम को वापस भारत पहुंचे और दिनभर उन्होंने ईरान के राजनीतिकों के साथ बात करके उन्हें संतुष्ट किया। फिर ओ आई सी में ईरान ने भारत के पक्ष में मत दिया। इसके कारण भारत को मानवाधिकार उल्लंघन के आने वाले प्रस्ताव से बचाया। आज भारत वह सब भूल गया। हमारी विदेश नीति में इस प्रकार का भटकाव क्यों आ गया?

जिस समय भारत विदेशी मुद्रा के संकट से गुजर रहा था उस समय ईरान ने भारत से रुपए में व्यापार करने का निर्णय लेकर भारत की बहुत सहायता की थी। वर्तमान संघर्ष में भारत की विदेश नीति में इस प्रकार के बदलाव के क्या कारण हैं ?

भारत सरकार ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में भारत का पक्ष स्पष्ट करने के लिए सर्वदलीय सांसदों के दलों को 51 देशों में भेजा जिनमें गुयाना, मेक्सिको, लातविया जैसे सुदूर देश भी थे, किंतु भारत का पक्ष स्पष्ट करने के लिए किंतु किसी भी पड़ोसी देश जैसे नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, मालदीव्स, श्रीलंका में अपने सांसदों को नहीं भेजा। हमारी 'नेबर हुड फर्स्ट' की नीति का क्या हुआ? क्या हमने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाने की नीति को त्याग दिया है?

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप 14 बार यह कह चुके हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराया और वे पाकिस्तान को भी महान देश मानते हुए उसे भारत के समकक्ष रखते हैं। इस ट्रंप के इस कथन का, प्रधानमंत्री मोदी उन्हें फोन करके विरोध क्यों नहीं कर पाए? राष्ट्रपति ट्रंप के झूठ का सार्वजनिक रूप से खंडन क्यों नहीं किया गया? क्या इसे भारत की विदेश नीति की कमजोरी नहीं माना जाना चाहिए?

पाकिस्तान की सेना के प्रमुख मुनीर को राष्ट्रपति ट्रंप अपने साथ भोजन के लिए आमंत्रित करते हैं किंतु प्रधानमंत्री मोदी, ट्रंप द्वारा की गई गलत बात का प्रतिकार भी नहीं कर पाते।

आज भारत के पास ऐसा विदेश मंत्री है जिसके पास लंबे समय तक विदेश सचिव रहने का अनुभव है। उसके बावजूद भी क्यों हमारे संबंध सभी देशों से अच्छे नहीं हैं? क्यों हम संयुक्त राष्ट्र संघ में गाज़ा पर हमले करने के लिए इजरायल के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव का समर्थन नहीं कर पाए जबकि 149 देशों ने ऐसा किया था?

विदेश नीति में हो रहे परिवर्तन के बारे में यदि चर्चा हेतु संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग विपक्ष द्वारा की जाती है तो उसे पर सरकार द्वारा क्यों इंकार किया जाता है? क्या सरकार विदेश नीति के बारे में सांसदों को बताना तक नहीं चाहती? वह क्यों नहीं संसद में सांसदों के उन प्रश्नों का सामना करना चाहती है कि आज भारत के पक्ष में सभी देश क्यों नहीं खड़े हैं?

ऐसा प्रतीत होता है कि सवाल पूछने की संस्कृति को एक निश्चित योजना अनुसार नष्ट किया जा रहा है। अब कोई किसी अधिकारी या सरकार से प्रश्न नहीं कर सकता है। प्रश्न करने और जानकारी देने से बचने के लिए सरकार ने सूचना का अधिकार कानून तथा चुनाव संबंधी निर्देशों में कई बदलाव कर दिए हैं।

प्रश्न पूछने से रोक कर हम लोकतंत्र की रक्षा किस प्रकार कर पाएंगे? कोई ऐसी परिस्थितियों का हाल बताते हुए लोकतंत्र के खतरे में होने की बात करे, तो उसे ही राष्ट्रदोही घोषित कर दिया जाता है।

भविष्य में क्यों कोई नागरिक या मीडिया, सरकार से सवाल पूछने का साहस करेगा? हालत यह हो गई है कि आप चाहे कविता लिखते हों, व्यंग्यकार हों, कार्टून बनाते हों या कोई पुस्तक लिखते हों, यदि आप किसी भी प्रकार से सरकार की नीतियों की आलोचना करें तो फिर सरकार की कार्यवाही के लिए तैयार रहिए।

यह स्पष्ट होना चाहिए कि जब हम दूसरों के लिए सवाल नहीं उठाएंगे तो समय आने पर दूसरे भी हमारे लिए सवाल उठाने के लिए आगे नहीं आएंगे। यही सवाल नहीं उठाने की प्रवृत्ति ही निरंकुशता और तानाशाही को प्रोत्साहित करती है।

आशा की जानी चाहिए कि संसद का मानसून सत्र हंगामे की भेंट नहीं चढ़े और उपरोक्त विषयों पर खुलकर चर्चा हो ताकि देश के समक्ष कई अनुत्तिरत प्रश्नों के उत्तर आ सकें।

सबको यह समझना होगा कि सरकार, देश नहीं है। देश, सरकार से कहीं बड़ा होता है। देश, सबका है चाहे कोई सत्ता में हो अथवा विपक्ष में, गरीब हो या अमीर, मजदूर हो या किसान, मालिक हो या नौकर। यदि सरकार कभी नागरिकों के हित के विरुद्ध कोई काम करती दिखाई दे और कोई नागरिकों का संगठन अथवा मीडिया, इस बारे में सरकार से कोई सवाल पूछे तो उसे देश से सवाल पूछना नहीं माना जा सकता। सही देशभक्त तो वही कहलाएगा जो सरकार द्वारा देश और नागरिकों के हित के विरुद्ध किए जा रहे कामों के बारे में सरकार से स्पष्टीकरण मांगे। सवाल करना नागरिक का अधिकार है और उसका संतोषप्रद उत्तर देना सरकार का कर्तव्य। सवाल मुक्त भारत, कभी मजबूत लोकतंत्र नहीं बन सकता। आइए, हम सवाल पूछने की संस्कृति को बनाए रखने और पोषित करने में अपना योगदान दें।

सबसे अच्छा तरीका तो यह होगा कि प्रधानमंत्री अपने 11 साल के कार्यकाल पर एक खुली प्रेस वार्ता आयोजित करें (जो उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली होगी), जिसका सीधा प्रसारण सभी राष्ट्रीय चैनलों से किया जाय। मुझे पूरा विश्वास है कि मेरे प्रधानमंत्री अपनी उत्कृष्ट वाक कला और वाक चातुर्य से अपने आलोचकों का मुंह बंद कर देंगे।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

अनंतम कल्याण का स्तंभ, अंत्योदय दर्शन

डॉ. निमिषा गौड़

भारतीय राजनीतिक विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सर्वस्पर्शीय एवं सर्व समावेशी विकास की नींव है, अंत्योदय दर्शन। जिसमें सभी के समान कल्याण एवं अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के भाव निहित है। जब दुनिया में अमीरी और गरीबी की खाई को बढ़ाने और घटाने के द्वन्द्व के मध्य पूंजीवाद साम्यवाद की राजनीतिक विचारधारा का चलन स्थापित हो रहा था तब भारत में लोकतांत्रिक दर्शन से उपजे हर व्यक्ति के कल्याण का दर्शन, परिपक्व हो गया था। जिसमें शून्य से लेकर शिखर तक शासन तंत्र की समानांतर सक्रियता को समाहित करने वाले लोकतांत्रिक मूल्यों की महक का बीजारोपण हो रहा था।

भारत के पारंपरिक मूल स्वभाव के अनुरूप साठ के दशक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय के सिद्धांत को राजनीतिक तंत्र में समाहित करने का मूल मंत्र दिया, जिसमें व्यक्ति समाज और राज्यको एक स्वरूप आत्मा दृष्टि से स्वीकारा है।

राज्य का विकास अंतिम व्यक्ति के विकास पर ही सार्थक है और यही अनंत्तम कल्याण का स्वरूप है।

जनसंघ के संस्थापक विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन में प्रत्येक मनुष्य को चतुष्टा आत्मा का स्वरूप माना है जिसमें शरीर मन बुद्धि और आत्मा का समन्वित स्वरूप है तदानुसार राज्य के विकसित दृष्टिकोण का केंद्र बिंदु मनुष्य का संपूर्ण कल्याण ही होना चाहिए। एकात्म मानव दर्शन के अनुसार व्यक्तियों के संगठन से बना समाज और राष्ट्र एकात्म है प्रत्येक भारतीय का आर्थिक विकास भारत की पारंपरिक मूल्यों और सांस्कृतिक विरासत पर आधारित हो। इसमें समाज के अंतिम छोर में रहने वाले अंतिम व्यक्ति तक शासकीय तंत्र की सहायता उपलब्धता होने का दृष्टिकोण दिया गया है।

इन्हीं राजनीतिक सिद्धांतों के ओत-प्रोत राजनीतिक दल जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी के उद्‌गगम का मार्ग निर्धारित हुआ। वर्ष 2014 से भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत सरकार ने एकात्मक मानव प्रेरित अंत्योदय दर्शन के संकल्प से विकसित भारत के नवनिर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया। हर भारतीय तक कल्याणकारी राज्य की पहुंच को सुनिश्चित करने के लिए वर्ष 2015 में ई-गवर्नेंस की अवधारणा से प्रेरित डिजिटल अभियान का शुभारंभ किया यह एक ऐसा अभियान रहा, जिसमें हर भारतीय का आर्थिक सामाजिक व्यक्तिगत विकास सुनिश्चित होना तय था।

शासकीय तंत्र में भ्रष्टाचार की दीमक पर भारत के डिजिटलीकरण अभियान ने कड़ा प्रहार किया ओर 25 करोड़ भारतीयों को गरीबी से मुक्त कर दिया। जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे प्राप्त करने हेतु 55.22 करोड़ जनधन खाते खोले गए जिसमें वर्ष 2014 से 43.8 लाख करोड़ धन राशि गरीबों, वंचितों के बैंक खातों में सीधी पहुंची।

भारत के प्रशासन तंत्र में जैम त्रिशक्ति अंत्योदय के सिद्धांत की प्रेरणा है जिसमें जनधन बैंक, आधार सत्यापन और मोबाइल ने 40 अरब की सेंधमारी पर लगाम लगाई। अब बिना मध्यस्थ के लाभार्थी आत्म सम्मान के साथ लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहा है।

अंत्योदय दर्शन के पथ प्रदर्शक बने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 सालों में 6.1 प्रतिशत की मजबूत जीडीपी ग्रोथ, बढ़ते निर्यात, रिकॉर्ड एफडी तेजी से भारतीयों के बढ़ते स्टार्टअप के साथ एकल टैक्स जीएसटी, जनकल्याणकारी योजनाएं, आधारभूत संरचना को बढ़ावा देते डिजिटलीकरण ने भारतीय अर्थ व्यवस्था को दस दशक तक आगे ला दिया है। मोदी मिशन के विजन "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास" को 140 करोड़ देशवासियों ने सिद्ध किया है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सार्वभौमिक भा चारे की देन है पीएम मोदी का जन कल्याणकारी शासन और भारत का एक आत्मविश्वासी व करुणाशील वैश्विक नेतृत्व। ऑपरेशन सिंदूर से लेकर कोविड महामारी ने भारत की विविधता में एकता का परिचय पुनेश्चच: दुनिया को दिया है।

यूक्रेन-रूस और ईरान-इजरायल तनाव के मध्य में भारत के प्रधानमंत्री ने फिर से दोहराया है कि यह युद्ध का समय नहीं है, वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री G7 समिट के पश्चात क्रोशिया के दौरे पर गए एक जिसमें एक ओर संदेश दुनिया को दिया है कि सभी राष्ट्रों का समान-सम्मान भारतीयता की पहचान है। पश्चिमी देशों की पूंजीवादी विचारधारा गरीब को गरीब ही मानती है जबकि एकात्म मानव दर्शन गरीब वंचित तक विकास सुनिश्चित करता है जिन्हें पूंजीवाद एवं साम्यवादी विचारधारा ने शोषित वर्ग घोषित कर दिया है।

पिछले 11 वर्षों में भारतीय जनता पार्टी का शासन काल भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को संरक्षित करने का शासन काल रहा है एकात्मक मानव के अंत्योदय दर्शन ने समय सीमा से भारत के वित्त, उद्यम ओर मानव जीवन को सुगम बनाने से संबंधित सेवाओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया है। हाल ही में होम क्रेडिट इंडिया के द ग्रेट इंडियन वॉलेट 2025 सर्वे के अनुसार भारत का निम्न मध्यम वर्ग अपने वित्तीय भविष्य को लेकर आश्वास हो रहा है वर्ष 2025 तक यूपीआई का उपयोग 80þ तक बढ़ गया है।

इसी आधार पर 73 प्रतिशत परिवारों को विश्वास है कि वह आगामी 5 वर्षों में अपने वित्तीय लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। राजस्थान में अंत्योदय योजनाओं से गरीब और गरीबी की वेदना से मुक्ति का बीड़ा सर्वप्रथम पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत ने उठाया था उनके शासनकाल में अंत्योदय अन्न योजना के माध्यम से समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के लिए भोजन का प्रबंध किया गया।

आज इस अंत्योदय दर्शन की तर्ज पर मुख्यमंत्री श्रीमान भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में शासन 8 करोड़ प्रदेशवासियों के लिए सर्व कल्याण के लिए प्रखरता से कार्यरत है।

समाज के हर वर्ग को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से प्रशासकीय कार्यों का संचालन हर जिले के पंच गौरव से लेकर शहरों गांवों ढाणियों तक एक लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास, सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के 19000 रूफटॉप सोलर संयंत्र, 10.74 लाख ग्रामीण परिवारों को नल से जल तथा 1.10 लाख नए घरेलू पाइपलाइन कुकिंग गैस कनेक्शन बीपीएल परिवारों को 450 रुपए में घरेलू सिलेंडर देकर सर्व स्पर्शी विकास की नींव को सीचां जा रहा है।

केंद्र राज्य की डबल इंजन सरकार अब ट्रिपल इंजन की और उन्मुक्तता से बढ़ रही है नगर पालिका एवं पंचायत के आगामी चुनाव में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण ने स्थानीय स्वशासन की तस्वीर बदल दी है जिसके आधार पर अंत्योदय की सार्थकता से चारों जातियां गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी शक्ति का समावेशी विकास हो रहा है।

आंपणों अग्रणी राजस्थान से लेकर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में प्रकृति ने भी आशीर्वाद स्वरुप चौतरफा मरू राज्य में हरियाली की बाहर को निमंत्रण दे दिया है। वर्ष 2024 में राजस्थानवासियों की प्रेरक मुख्यमंत्री जी ने आगामी 4 वर्षों में राजस्थान को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प अंत्योदय दर्शन से प्रेरित होकर लिया है।

–डॉ. निमिषा गौड़,
असिसटेन्ट प्रोफेसर
कनोड़िया पी. जी. महिला
महाविद्यालय, जयपुर।

व्यापारिक शीत युद्ध

रामनिवास बैरवा

जनता हमेशा शान्ति चाहती है तथा सरकारें अपनी सार्थकता को साबित करने के लिए युद्ध चाहती हैं। विकसित पूंजीवादी लोकतन्त्रों में सरकारें अपनी ही जनता के शोषण के लिए दूसरे देशों से लगी अपने देश की सीमाओं की समस्या बनाये रखती हैं। किन्तु व्यापारिक पूंजीपति बाजारों पर अधिकार करने या एन पर एकाधिकार बनाये रखने के लिए अपने-अपने देशों की सरकारों को उकसाते हैं।

नेपोलियन बोनापार्ट की पराजय के बाद यूरोपीय देशों ने कंसर्न नामक संस्थान के माध्यम से आपस में शान्ति बनाये रखने का काम किया। इस दौरान यूरोप में, विशेष तौर पर फ्रांस में, 1848 में, फिर 1871 में क्रान्तियां हुईं जिन्होंने यूरोपीय जनता को प्रभावित किया। परिणामस्वरूप यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय हुआ जिसके कारण जर्मनी, आस्ट्रिया, हंगरी, रूस आदि अपने देशों की सीमाओं को बढ़ाने के लिए संघर्षरत हुए और अंतत: पहला विश्वयुद्ध हुआ।

उस युद्ध के परिणामस्वरूप जर्मनी आदि की हार होने पर अन्य विजेता देशों ने युद्ध का हर्जा-खर्चा जर्मनी से वसूलने के समझौते किये। उस हर्जे-खर्चे के भुगतान के कारण जर्मनी की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से बरबाद हो गई और हिटलर का उदय हुआ।

उधर अमरीका ने पहले विश्वयुद्ध में अपना पैसा खूब लगाया ब्रिटेन, फ्रांस के माध्यम से, लेकिन वह अमरीका को वापस नहीं मिला। उसी युद्ध के दौरान रूस में सोवियत क्रांति सम्पन्न हुई, और उसने जर्मनी से ब्रेस्त लितोवस्क की शान्ति संधि की। इससे अमरीका अपने हितों को लेकर चिंतित हो गया और 1917 में सोवियत क्रान्ति के समय अमरीका उस युद्ध में शामिल हुआ।

दूसरा विश्व युद्ध उसी जर्मनी की पहल कदमी से शुरू हुआ। लेकिन अमरीका पर्ल हार्बर पर जापानी हमले के बाद जापान के विरूद्ध 8 दिसम्बर, 1941 को युद्ध में उतरा, और 11 दिसम्बर, 1941 को जर्मनी, इटली भी अमरीका के विरूद्ध युद्ध की घोषणा की। उसके बाद सोवियत संघ से शान्ति संधि को खतम करके जर्मनी ने सोवियत संघ पर हमला कर दिया। लेकिन सोवियत सेनाओं के अथक संघर्ष के कारण सोवियत संघ भी मित्र देशों में शामिल कर लिया गया, सिर्फ सैनिक अभियानों के आधार पर, लेकिन अन्य मित्र देशों ने सोवियत कम्युनिज्म से कोई समझौता नहीं किया। अंतत: सोवियत सेनाओं के दबाव में हिटलर ने 30 अप्रैल, 1945 को आत्महत्या कर ली, 09 मई, 1941 को जर्मन सेनाओं ने बर्लिन में सोवियत सेनाओं के सामने आत्म समर्पण कर दिया और दूसरा विश्वयुद्ध भी खतम हो गया, बर्लिन सहित जर्मनी को दो भागों में बांट दिया गया- एक पश्चिमी पूंजीवादी देशों का सहायक और पर्व जर्मनी सोवियत संघ के प्रभाव में रहा। उधर 15 अगस्त, 1945 को जापानी सेनाओं ने ब्रिटिश सेनाओं के सामने आत्म समर्पण कर दिया।

इससे पहले, भविष्य की विश्व अर्थव्यवस्था का स्वरूप तय करने के लिए 1944 में अमरीका में 'ब्रेंटन वुड' का समझौता किया गया। तब तक ब्रिटेन विश्व अर्थव्यवस्था का नायक था, लेकिन अब यह उत्तरदायित्व अमरीका ने ले लिया था। अत: अमरीका ने अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाकर ब्रिटेन और सोवियत संघ को प्रभावित करना था। इसी कड़ी में अमरीका ने विश्वयुद्ध के लगभग समाप्त हो जाने के बाद भी जापान के दो शहरों हिरोशिमा और नागासाकी पर क्रमश: 6 और 9 अगस्त, 1945 को परमाणु बम गिराकर मानवता के प्रति अपनी क्रूरता को दिखाते हुए अपनी सैनिक क्षमता को प्रकट किया। नतीजा यह रहा कि दूसरे विश्वयुद्ध के हर्जे-खर्चे की भरपाई किसी भी पराजित देश जर्मनी, जापान या इटली से नहीं की गई, बल्कि उनके पुनर्निर्माण में सहायता की गई।

अमरीका द्वारा यह सब करने का उद्देश्य था सोवियत संघ के प्रभाव को नियन्त्रित करना और विश्वभर में कम्युनिस्ट विरोधी अभियान का नेतृत्व करना। चूंकि, सोवियत संघ की सैनिक क्षमता से और आर्थिक व्यवस्था के नियमन से पूरी दुनिया परिचित हो चुकी थी अत: अब पूंजीवादी साम्राज्यवादी देश अपने बचाव में आ गये। और तब शुरू हुआ छुटपुट लड़ाइयों का शीत युद्ध काल, जिसमें अमरीका और सोवियत संघ कभी आमने सामने नहीं हुए।

शीत युद्ध के काल में जहां-जहां भी अमरीका ने सीधे लड़ाइयां लड़ीं, उसे हार का सामना करना पड़ा। उदाहरण के लिए - कोरिया, विएमनाम, कंबोडिया आदि। इन लड़ाइयों के मूल्यांकन से यूरोपीय देश ये आसानी से समझ सके कि अमरीका की सैनिक क्षमता विजय दिलाने योग्य नहीं है, बस परमाणु बम तथा अन्य घातक हथियारों के बल पर दूसरे देशों को भयभीत करके आतंकित कर सकता है।

सोवियत संघ के विघटन की पूर्व भूमिका के रूप में अमरीका ने 'राष्ट्रवाद' को बढ़ावा देने की बदले धार्मिक उग्रवाद को बढ़ावा दिया। अफगानिस्तान इसका उदाहरण है। हालांकि सोवियत संघ के विघटन के बाद अमरीका विश्व की एक मात्र आर्थिक और सैनिक 'महाशक्ति' बना। वर्ल्ड ट्रेड आर्गनाइजेशन जैसी संस्थाओं के माध्यम से उसने अपने व्यापार और अपने आधिकार क्षेत्र को बढ़ाने का प्रयास किया। लेकिन रूस की सैनिक शक्ति बरकरार रहने के कारण यूरोपीय देशों में भय बना रहा, इसलिए वे अमरीका से जुड़े रहे और नाटों जैसे सैनिक संगठनों को बनाये रखा, लेकिन आर्थिक रूप से यूरोपीय देशों ने अमरीका पर निर्भरता के बदले एकीकरण को अपनाया और मुक्त व्यापार, आवाजाही के साथ एक ही मुद्रा 'यूरो' को अपनाकर सदियों पुराने अपने अहंकारों का त्याग कर दिया। उधर वैश्वीकरण का लाभ उठाते हुये चीन औद्योगिक उत्पादन और व्यापारिक दुनिया में रूस से भी आगे बढ़कर दूसरे नम्बर की महाशक्ति बन गया है। चीन सैनिक शक्ति को भी बढ़ाता रहा है, लेकिन अमरीका की अर्थव्यवस्था से मुकाबला करने के लिए उत्पादन और विश्व व्यापार में अमरीकी साम्राज्य के लिए चुनौती बन चुका है।

इस दौर में दूसरे देशों पर सीधा कब्जा नहीं करके वहां अपनी समर्थक सरकारें बनाकर भूगर्भीय खनिजों पर कब्जा करना उद्देश्य हो गया है। अत: इस दौर को, 1990 के बाद के वैश्वीकरण के युग को परम्परागत सैनिक 'शीत युद्ध' नहीं कहकर 'व्यापारिक शीत युद्ध' कह सकते हैं। व्यापारिक शीत युद्ध के दौर में अमरीका और चीन प्रतिद्वंदी हैं। अपने विशाल साम्राज्य के होते हुए भूगर्भीय सहित सभी तरह के भूगर्भीय स्त्रोत रूस में उपलब्ध है। परन्तु, कभी महाशक्ति रह चुके सोवियत संघ के विघटन के बाद भी रूस 'शीत युद्धकालीन' प्रभाव की चाहत रखता है। ना तो अमरीका और ना ही चीन सीधे हस्तक्षेप मे उलझना चाहते है क्योंकि इससे उनका प्रभुत्व क्षेत्र कम होने की सम्भावना है।

ऐसी स्थिति में, पेट्रोलियम के अलावा, स्टील, सोना तथा अन्य बहुमूल्य भूगर्भीय धातुएं, जो कि अत्याधुनिक संचार संसाधनों, अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम आने वाले उपकरणों, अत्याधुनिक हथियारों के निर्माण में काम आने वाली धातुओं की उपलब्धता जिन देशों में है वहां की सरकारों को अपने नियन्त्रण में रखने की कोशिशों में तथा अपने बनाये गये अत्याधुनिक हथियारों के परीक्षण के लिए छोटे देशों को आपस में लड़ाते रहना और उन्हें अपने हथियार उन्हें देते रहना उनका उद्देश्य है। ज्यादा दूर तक नहीं जाये तो, सोवियत संघ से विघटित देशों में, जैसे रूस व यूक्रेन में तीन वर्षों से भी अधिक समय युद्ध चल रहा है।

मध्यपूर्व देशों को उनके तेल भंडारों के पुन: वितरण के लिए देशों को काफी समय से लड़ाया जा रहा है- इजराइल को उकसा कर इस्लाम और परमाणु कार्यक्रम के बहाने ईरान को लड़वाया है, वेनेजुएला में अशान्ति, श्रीलंका, बांग्लादेश, म्यांमार (बर्मा), अफगानिस्तान, कुछ अफ्रीकी देश आदि इस व्यापारिक शीत युद्ध के उदाहरण है। इस समय, डोनाल्ड ट्रंप के दुबारा राष्ट्रपति बनने के बाद आयात-निर्यात में ड्यूटी का बढ़ाना-घटाना, चीन को धौंस में लेने के लिए बेतहाशा ड्यूटी बढ़ाकर फिर समझौते के लिए आगे आना, यूक्रेन को हथियार देना और फिर भूगर्भीय धातुओं के लीज पर देने की असमर्थता के चलते यूक्रेन से हाथ खींच लेना क्योंकि यूक्रेन का बहुत बड़ा इलाका रूस के कब्जे में है और वह अमरीका से कोई समझौता नहीं कर सकता।

अमरीका हालांकि हिरोशिमा, नागासाकी को पिछले 80 वर्षों में कई बार दोहरा सकता था, खासतौर से जब वियतनाम, कम्बोडिया में पराजय का सामना करना पड़ा था, अफगानिस्तान से भागना पड़ा था। परन्तु सोवियत संघ के द्वारा सैन्य शक्ति संतुलन बनाये रखने और कम्युनिस्ट विचारधारा के अविकसित और विकासशील देशों में विस्तार के कारण और अब चीन के द्वारा व्यापारिक व सैन्य संतुलन बनाये रखने के कारण किसी परमाणु हथियारों के उपयोग की सम्भावना बहुत कम है। फिर भी ये दंश तीसरे विश्वयुद्ध का भय दिखाकर आम जनता को हमेशा आतंकित रखेंगे, लेकिन वह नहीं होगा। यही व्यापारिक शीत युद्ध है।

- रामनिवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि
आयुक्त

राशिफल मंगलवार 24 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, रोहिणी नक्षत्र दिन 12:54 तक, शूल योग प्रात: 9:36 तक, विष्टि करण प्रात: 8:35 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 11:46 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-वृष, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा प्रात: 8:35 तक रहेगी। आज रोहिणी व्रत (जैन) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:03 से 10:46 तक, लाभ-अमृत 10:46 से 7:12 तक, शुभ 3:54 से 5:37 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:50 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:20

मेष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि हो सकती है।अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

कर्क

आर्थिक मामलों को प्राथमिकता से ध्यान देना ठीक रहेगा। कल आज जैसी सुविधा नहीं रहेगी। आज संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कन्या

नवीन कार्यों के संबंध में अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

वृश्चिक

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

धनु

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ

घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 231 प्रभात उदयपुर, मंगलवार 24 जून, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

भारत को आशंका है, ईरान ''स्ट्रेट ऑफ होरमुज़'' में जहाजों का आवागमन प्रतिबंधित करेगा

भारत विश्व में ऑयल का तीसरा सबसे बड़ा ''कंज़्यूमर'' है तथा अपनी खपत का 60 प्रतिशत ऑयल खाड़ी देशों से आयात करता है, जिसे ''स्ट्रेट ऑफ होरमुज़'' से होकर गुजरना होता है

- इन हालात में ''ऑयल की सप्लाई'' में जरा भी रूकावट होने से भारत की इकॉनमी डांवा-डोल हो सकती है।
- ईरान, संभवतया नौसैनिक अभ्यास, ड्रोन व मिसाइल एटैक की धमकी और लैंड माइन्स बिछाने की कार्यवाही आदि से, जहाजों के आवागमन को बाधित कर सकता है।
- यह भी माना जा रहा है कि ईरान ''स्ट्रेट ऑफ होरमुज़'' से जहाजों के आवागमन को बंद नहीं करेगा, क्योंकि टोटल आवागमन बंद करने से तो ईरान स्वयम् भी अपना ''ऑयल'' अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में नहीं बेच पायेगा।
- केन्द्रीय पैट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने जरूर हौंसला ऊँचा रखने के लिए कहा कि गत कुछ वर्षों में भारत ने खाड़ी देशों के अलावा भी कई अन्य विकल्प ढूंढे हैं, ऑयल खरीदने के लिए। पर, फिर भी तेल विशेषज्ञों का मानना है कि ऑयल व गैस काफी संवेदनशील सैक्टर है तथा लंबे समय तक ऑयल व गैस की सप्लाई बाधित होने से भारत की इकॉनमी में भारी अस्थिरता पैदा होगी।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। इज़रायल-ईरान संघर्ष एक नए तथा नाज़ुक चरण में प्रवेश कर रहा है, जहाँ अमेरिकी हवाई हमले ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। इससे इस्लामिक गणराज्य अब निर्णायक प्रतिक्रिया के करीब आ गया है। हालाँकि पूर्ण पैमाने पर युद्ध की संभावना कम है, लेकिन ईरान की प्रतिक्रिया लगभग निश्चित रूप से पारंपरिक नहीं होगी, बल्कि यह प्रॉक्सी युद्ध, साइबर हमलों और, सबसे चिंताजनक रूप में, फारस की खाड़ी में रणनीतिक व्यवधान के रूप में सामने आ सकती है। इन चिंताओं में सबसे प्रमुख है, होरमुज़ स्ट्रेट (जलडमरूमध्य) को बंद करने या उसे अवरूद्ध किये जाने की संभावना, चाहे वह वास्तविक हो या प्रतीकात्मक। यदि ऐसा होता है, तो भारत उन पहले देशों में होगा, जो इसका असर महसूस करेंगे।

होरमुज़ स्ट्रेट, जो सबसे सँकरे बिंदु पर केवल 21 मील चौड़ा है, दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग है। प्रतिदिन वैश्विक व्यापार वाले लगभग 20 प्रतिशत तेल का प्रवाह इसी मार्ग से होता है। हालांकि ईरान के द्वारा इस मार्ग को पूरी तरह से बंद करने की संभावना कम है, क्योंकि इससे उसके अपने तेल निर्यात पर असर पड़ेगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी तीव्र प्रतिक्रिया हो सकती है, इसलिए वह सीमित व्यवधान की रणनीति अपना सकता है: नौसैनिक अभ्यास, वाणिज्यिक टैंकरों को परेशान करना, ड्रोन या मिसाइलों की धमकी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुबोध अग्रवाल ने आरएफसी सीएमडी का पद संभाला

सुबोध अग्रवाल

- कुलदीप रांका, अखिल अरोड़ा, भास्कर सावंत ने भी कार्य भार ग्रहण किया।

जयपुर, 23 जून (कासं)। राजस्थान के सबसे वरिष्ठ आई.ए.एस. अधिकारी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने सोमवार को राजस्थान वित्त निगम जयपुर के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का पदभार संभाल लिया है। इससे पूर्व, वे इंदिरा गांधी पंचायतीराज संस्थान जयपुर में महानिदेशक के पद पर कार्यरत थे। वे 1988 बैच के आई.ए.एस. अधिकारी हैं।

इसी प्रकार, वर्ष 1994 बैच के आई.ए.एस. कुलदीप रांका ने भी उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव, 1993 बैच के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केजरीवाल, पंजाब का मुख्यमंत्री बदलना चाहते हैं?

चर्चाओं के अनुसार, वे पंजाब की असैम्बली के स्पीकर को मु.मंत्री बनाकर, वर्तमान मु.मंत्री मान को राज्यसभा भेज सकते हैं, जैसा कि विदित ही है, वर्तमान स्पीकर ज्ञानी ज़ैल सिंह के पोते हैं

- कांग्रेस आपसी मतभेदों व खींचतान में इतनी उलझी है कि प्रदेशाध्यक्ष राजा वडिंग अपना विधायक पद छोड़कर जब लुधियाना से सांसद बने तो उनकी पत्नी ने उनकी विधायक सीट, लुधियाना वैस्ट, से चुनाव लड़ा था और हार गई थीं और अब लुधियाना पश्चिम की सीट भी कांग्रेस के हाथ से निकल गई है और इस सीट से आम आदमी पार्टी का उम्मीदवार जीता।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। हाल ही में हुए उपचुनावों के मिश्रित नतीजे सामने आए हैं। आम आदमी पार्टी को गुजरात और पंजाब से एक-एक सीट मिली है। कांग्रेस को केरल से, भाजपा को गुजरात से, तृणमूल कांग्रेस को प.बंगाल से एक-एक सीट मिली है।

कांग्रेस को केरल में यह सीट मिलने की उम्मीद पहले से ही थी, यह सीट 35 साल से कांग्रेस के पास थी। पार्टी ने यहां से वाममोर्चा को हराया है।

गुजरात में आप ने पहले भी वसावदरा सीट जीती थी, पर यहां के विधायक भाजपा में शामिल हो गये थे। दुबारा हुए उपचुनाव में आप ने फिर से यह सीट जीत ली और दूसरी सीट भाजपा को मिली।

क्या यह गुजरात में भाजपा के लिए चेतावनी का संकेत है, क्या गुजरात भाजपा के हाथ से निकल रहा है?

लेकिन असली कहानी तो पंजाब में है। यहां कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजा वडिंग विधायक की कुर्सी छोड़कर सांसद बन गए। इस सीट से उनकी पत्नी ने चुनाव लड़ा, लेकिन हार गई। अब कांग्रेस लुधियाना वैस्ट सीट भी हार गई है। वह सीट, जहाँ उपचुनाव हुआ, राजा वडिंग की लुधियाना लोकसभा सीट के अंतर्गत आती है। उनके नेतृत्व में कांग्रेस को एक बार फिर हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस का वोट प्रतिशत लगभग एक प्रतिशत कम हुआ।

इस सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार भारत भूषण आशु थे, जो चरणजीत सिंह चन्नी और राजा गुरजीत के करीबी माने जाते हैं। पार्टी में अंदरुनी कलह के चलते कांग्रेस को नुकसान हुआ और आम आदमी पार्टी ने यह सीट जीत ली।

ऐसी जोरदार अटकलें हैं कि अरविंद केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री को बदलना चाहते हैं। चर्चा है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान को राज्यसभा भेजा जा सकता है, क्योंकि वहाँ एक सीट खाली है। उनकी जगह विधानसभा अध्यक्ष को मुख्यमंत्री बनाए जाने की योजना है, जो पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह के पोते हैं।

इस जीत के बाद, आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल के लिए अच्छी खबर के रुप में देखा जा रहा है, क्योंकि खासकर दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद, जब पार्टी को लगभग खारिज ही कर दिया गया था।

अमेरिका ने ईरान के खिलाफ हवाई हमले में भारतीय हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल किया?

सोशल मीडिया पर दिनभर वायरल रही इस अफवाह का भारत सरकार के प्रैस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो ने जोरदार खंडन किया

- अफवाह की शुरुआत ईरानी न्यूज़ चैनल की एंकर सहर ईमामी की एक्स पर की गई पोस्ट से हुई, जिसमें उन्होंने अमेरिका और भारत की मिलीभगत का उल्लेख कर आरोप लगाया कि भारत ने अमेरिका को ईरान के खिलाफ भारतीय हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल करने दिया। सहर ने यह भी लिखा कि ईरान इसे कभी नहीं भूलेगा।
- पाकिस्तान ने भी इस अफवाह को खूब बढ़ावा दिया।
- प्रैस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो ने इन खबरों व दावों का खंडन किया और अमेरिकी सेना के जॉइन्ट चीफ ऑफ स्टाफ जनरल डैन केन की प्रेस ब्रीफिंग का लिंक दिया जिसमें अमेरिकी विमानों के मार्ग के बारे में बताया गया था।
- पीआईबी ने दावा किया कि इससे स्पष्ट है कि भारतीय हवाई क्षेत्र अमेरिकन मिशन का हिस्सा नहीं था।

नयी दिल्ली, 23 जून। भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के दौरान, ईरान के खिलाफ हमले में अपने बी-2 बमवर्षक विमानों की उड़ान के लिए अमेरिका ने भारतीय हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं किया था।

असल में इसकी शुरूआत हुई ईरानी न्यूज चैनल की एंकर सहर इमामी के एक्स पर लिखे गये इस पोस्ट से कि ''अमेरिकी सेना ने ईरान पर हमला करने के लिए भारतीय हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल किया। नई दिल्ली की चुपचाप की गई यह मिलीभगत उसे इतिहास के गलत पक्ष की ओर ले गई है। ईरान इसे कभी नहीं भूलेगा।'' पाकिस्तान ने भी दिनभर इस अफवाह को खूब प्रचारित और प्रसारित किया।

भारत सरकार के प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कई सोशल मीडिया अकाउंट्स ने दावा किया है कि ऑपरेशन मिडनाइट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लालू यादव ने राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिये नामांकन भरा

पटना, 23 जून। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद चुनाव के लिए आज अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

यादव ने सोमवार को राजद के राष्ट्रीय निर्वाचन अधिकारी डॉ. रामचंद्र पूर्वे और सहायक निर्वाचन अधिकारी चितरंजन गगन के समक्ष चार सैटों में

- वे 24 जून को निर्विरोध अध्यक्ष घोषित होंगे तथा 5 जुलाई को राष्ट्रीय परिषद उनके निर्वाचन की पुष्टि करेगी।

नामांकन पत्र दाखिल किया। प्रत्येक सैट में दस प्रस्तावकों के हस्ताक्षर हैं। इन प्रस्तावकों में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री अब्दुल बारी सिद्दीकी, वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी सहित अन्य प्रमुख नेता शामिल हैं।

गगन ने बताया कि नामांकन पत्रों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अपेक्षित से ही रहे उपचुनाव के नतीजे

आम आदमी पार्टी को दो सीटें तथा कांग्रेस, भाजपा व तृणमूल को एक-एक सीट पर विजय मिली

- आप के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल की राज्यसभा में एंट्री का रास्ता खुला।
- राज्यसभा में आप के सांसद संजीव अरोड़ा, लुधियाना वेस्ट से विधायक चुने गये हैं। अतः अब वे अपनी राज्यसभा सीट से इस्तीफा देंगे, उन्होंने अपने नेता केजरीवाल को राज्यसभा में भेजने का रास्ता खोल दिया है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। चुनाव आयोग ने सोमवार को चार राज्यों की पाँच विधानसभा सीटों पर 19 जून को हुए उपचुनावों के नतीजे घोषित कर दिए। आम आदमी पार्टी (आप) ने दो सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को एक-एक सीट मिली।

पंजाब की लुधियाना वेस्ट और गुजरात की विसावदर सीट पर आप की जीत ने पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के राज्यसभा में प्रवेश का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। पार्टी के राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा ने लुधियाना वेस्ट सीट से जीत दर्ज की, जिससे उनके नेता के लिए राज्यसभा में पहुँचने का रास्ता साफ हो गया है।

आम आदमी पार्टी की जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गुजरात की जनता भाजपा से तंग आ चुकी है और उसने कांग्रेस को भी नकार दिया है। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा, ''गुजरात की जनता अब भाजपा से परेशान हो चुकी है और आम आदमी पार्टी में आशा देख रही है।''

यह स्पष्ट होता जा रहा है कि केजरीवाल खुद को इंडिया गठबंधन से अलग कर रहे हैं, जिससे यह मोर्चा कमजोर हो रहा है।

केरल की नीलांबुर सीट कांग्रेस के खाते में गई, भाजपा ने गुजरात की सीट पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी, जबकि पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने सहजता से जीत दर्ज की।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा, कालीगंज विधानसभा उपचुनाव में सभी जाति, धर्म और समुदाय के लोगों ने हमें आशीर्वाद दिया। मैं सिर झुकाकर उनका आभार प्रकट करती हूं। इस जीत की निर्माता जनता है। कालीगंज के मेरे सभी सहयोगियों ने इस जीत के लिए पूरी मेहनत की। मैं उन्हें बधाई देती हूं। यह उपचुनाव टीएमसी विधायक नसीरुद्दीन अहमद के निधन के बाद कराया गया था।

देश के अन्य तीन विधानसभा क्षेत्रों में स्थिति यथावत रही, सिवाय केरल के नीलांबुर के, जो वायनाड लोकसभा सीट का हिस्सा है, जहां से प्रियंका गांधी वाड्रा सांसद हैं।

नीलांबुर में जीत के प्रति आश्वस्त प्रियंका गांधी वाड्रा ने इसका श्रेय टीम वर्क को दिया।

उन्होंने लिखा, हमने एक टीम के रूप में काम किया, समर्पण और एकाग्रता के साथ, यही इस सफलता का सबसे बड़ा सबक है। मतदाताओं को धन्यवाद देते हुए उन्होंने लिखा, ''संविधान के मूल्यों और यूडीएफ के प्रगतिशील दृष्टिकोण में आपका विश्वास हमारे आगे के मार्ग का मार्गदर्शक रहेगा।

कांग्रेस प्रत्याशी आर्यादन शौक़त इस सीट से सीपीएम के एम. स्वराज से 11,077 वोटों से आगे चल रहे हैं।

2021 के विधानसभा चुनावों में इस सीट से निर्दलीय पी.वी. अनवर विजयी हुए थे, जिन्होंने बाद में वाम मोर्चे का समर्थन किया था। लेकिन मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से मतभेद के चलते, अनवर ने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया था और बाद में तृणमूल कांग्रेस की केरल इकाई में शामिल हो गए थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले युवक को आजीवन कारावास

जयपुर, 23 जून। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर द्वितीय ने नाबालिग को डरा धमकाकर दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त बाबूलाल जाट को आजीवन कारावास की सजा

- पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत के पीठासीन अधिकारी ने सजा के साथ साठ हजार रूपए का जुर्माना लगाया।

सुनाई है। साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर साठ हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने अपने आदेश में कहा कि वर्तमान में नाबालिगों के प्रति ऐसे अपराध बढ़ रहे हैं। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत मौन नहीं, अनुपस्थित सा लग रहा, विदेश नीति की दृष्टि से?

अमेरिका, चीन, यूरोपियन यूनियन व रूस खुलकर किसी न किसी पार्टी के पक्ष में बोल रहे हैं

- भारत की विदेश नीति के आलोचक कहते हैं आज़ादी के बाद, पहली बार ऐसा लग रहा है कि आज के समय की सबसे बड़े वैश्विक राजनीतिक संकट के समय, भारत की कोई रचनात्मक भूमिका नहीं है।
- इन आलोचकों का यह भी कहना है कि कूटनीति की दृष्टि से संतुलन बैठाने के चक्कर में भारत धीरे-धीरे निष्क्रिय होकर न केवल समय के साथ बाहर रहा है बल्कि भारत का प्रभाव घटता जा रहा है और उसकी नैतिक नेतृत्व प्रदान करने की क्षमता भी कम हो रही है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। जैसे-जैसे दुनिया बढ़ते हुए भू-राजनीतिक तनावों से जूझ रही है-चाहे वह लंबे समय से चल रहा रूस-यूक्रेन युद्ध हो या तेजी से फैलता ईरान-इज़राइल संघर्ष, भारत की विदेश नीति सम्बंधी रुख को लेकर उसकी आलोचना हो रही है हालांकि कुछ लोग इसे रणनीतिक चुप्पी कह रहे हैं।

जहाँ अमेरिका, चीन, यूरोपीय संघ और रूस जैसी वैश्विक शक्तियां खुलकर अपने रुख या हित व्यक्त कर रही हैं, वहीं भारत, जो विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र और एक उभरती वैश्विक शक्ति है, ने अधिकतर मामलों में मतदान से दूर रहने या तटस्थ बयानों को प्राथमिकता दी है।

भारत के एक शीर्ष पूर्व राजनयिक ने, नाम न छापने की शर्त पर, कहा, ''यह शायद स्वतंत्रता के बाद पहला अवसर है, जब दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण संघर्षों में भारत की कोई अर्थपूर्ण या सक्रिय भूमिका नहीं दिखाई दे रही है। यह केवल चुप्पी नहीं है, यह अनुपस्थिति है।''

भारत ने यूक्रेन और पश्चिम एशिया से संबंधित कई महत्वपूर्ण संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों पर मतदान से परहेज़ किया है। जहां अधिकारी इसे रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने की आवश्यकता बताते हैं, वहीं आलोचकों का कहना है कि यह कूटनीतिक संतुलन प्रक्रिया अब निष्क्रिय मुद्रा में बदल गई है, जिससे भारत की वैश्विक प्रभावशीलता और नैतिक अधिकार दोनों में गिरावट आई है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह परिवर्तन मौजूदा सरकार की प्राथमिकताओं में बदलाव का परिणाम है। विदेश नीति मामलों की विशेषज्ञ प्रोफेसर अनुराधा सेन के अनुसार, यह केवल तटस्थता नहीं है, बल्कि भारत की ऐतिहासिक नैतिक दिशा से एक सुनियोजित तरीके से पीछे हटना है।

नेहरूवादी सिद्धांतों के तहत, भारत ने उपनिवेशवाद विरोधी संघर्षों, निरस्त्रीकरण और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का समर्थन किया। लेकिन हाल के कदमों से संकेत मिलता है कि भारत अब दीर्घकालिक वैश्विक दृष्टिकोण के बजाय, अल्पकालिक एवं तात्कालिक हितों से प्रेरित लेन-देन आधारित कूटनीति की ओर बढ़ रहा है।

ईरान-इज़रायल संघर्ष, जो समूचे खाड़ी क्षेत्र को अस्थिर कर सकता है, ने भारत के लिए एक बड़ी दुविधा पैदा कर दी है। खाड़ी देशों में 80 लाख से अधिक भारतीय नागरिक रहते और काम करते हैं, ऐसे में किसी भी प्रकार का तनाव आर्थिक और मानवीय दोनों दृष्टियों से गंभीर परिणाम ला सकता है। फिर भी भारत ने अब तक केवल ''तनाव कम करने'' की अपीलें की हैं, बिना किसी ठोस कूटनीतिक पहल या मध्यस्थता की भूमिका के, जो पहले भारत पश्चिम एशिया संकटों में निभाता रहा है।

इसी प्रकार, रूस-यूक्रेन युद्ध ने भी भारत की विदेश नीति की सीमाओं को उजागर किया है। भारत, जो रियायती रूसी तेल खरीदता है और रुस से रक्षा संबंध बनाए रखता है, अपनी इस स्थिति का उपयोग किसी महत्वपूर्ण शांति प्रयास या मध्यस्थ भूमिका निभाने हेतु करने में विफल रहा है।

एक विश्लेषक के शब्दों में, यहां तक कि ग्लोबल साउथ (वैश्विक दक्षिण) भी अब नैतिक एवं कूटनीतिक नेतृत्व के लिए ब्राज़ील, दक्षिण अफ्रीका और यहां तक कि तुर्की की ओर देख रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान ने कतर व इराक के अमेरिकन बेस पर हमला किया

तेहरान/तेल अवीव. ईरान ने सोमवार को कतर और इराक में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल दाग दीं। यह हमला अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर हालिया हवाई हमलों के जवाब में किया गया। ईरानी मीडिया के अनुसार, कतर के अल उदेद एयर बेस पर छह मिसाइलें और इराक के ऐन अल-असद बेस पर एक

- अमेरिका ने कहा, हमले से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। कतर सरकार ने ईरानी हमले की कड़ी निंदा की।

मिसाइल दागी गईं। इन हमलों को विजय की घोषणा नामक अभियान का हिस्सा बताया गया।

हालांकि, कतर में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल हमले का कोई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाड़ौती संभाग में हो रही बारिश से चंबल, कालीसिंध, परवन और पार्वती नदी उफान पर

हाड़ौती में चार दिन से बारिश का दौर जारी, कोटा बैराज के दो गेट खोलकर 7466 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है

हाड़ौती में लगातार बरसात के चलते कई नदियां उफान पर हैं

बारिश के कारण पार्वती नदी में पानी की आवक हुई।

- चंबल नदी में झरेल की पुलिया पर पानी आ जाने के चलते खातौली इटावा का सवाई माधोपुर जिले से सीधा संपर्क कटा
- छबड़ा क्षेत्र में बीते 24 घण्टों में 91 एमएम बारिश दर्ज, पार्वती, रेणुका नदी सहित अन्य जलाशयों का जलस्तर बढ़ा

कोटा, (निसं)। हाड़ौती संभाग में मानसून की अच्छी शुरुआत हुई है। बीते चार दिन से जमकर बारिश हो रही है। इसका असर देखने को मिला है कि जून माह में ही नदियां उफान पर आ गई है। बारिश के चलते हाड़ौती की नदियों में भी पानी का जलस्तर बढ़ा है। हाड़ौती संभाग में चंबल, कालीसिंध, परवन और पार्वती नदी उफान पर चल रही है। अन्य छोटी और सहायक नदियों में भी तेजी से पानी बढ़ रहा है। यहां तक कि चंबल नदी में झरेल की पुलिया पर पानी आ जाने के चलते खातौली इटावा का सवाई माधोपुर जिले से सीधा संपर्क कट गया है। पुलिया पर वर्तमान में 4 से 5 फीट पानी है और चादर चल रही है। यहां पर पानी आ जाने के चलते पुलिस की तैनाती भी कर दी गई है, ताकि कोई भी व्यक्ति जान जोखिम में डालकर पुलिया से नहीं गुजरे। यह रास्ता बीते 24 घंटे से बंद है।

चंबल नदी में झरेल के नजदीक एक उच्च स्तरीय पुल बनने जा रहा है। यह प्रदेश का सबसे लंबा पुल भी है, लेकिन इसका निर्माण इस साल पूरा नहीं होगा। इसके साथ ही बारां जिले के शाहाबाद में कुंडाखोह के झरने में भी पानी आ गया हैं, जहां पर करीब चले 50 फिट से ज्यादा की ऊंचाई से पानी नीचे गिरता है। दूसरी तरफ संभाग में सोमवार को एक बार फिर तेज बारिश का दौर शुरू हुआ। मध्यप्रदेश सरकार ने खतौली में पार्वती नदी पर ऊंचाई पर पुल बना दिया है। इससे यातायात भी शुरू हो गया है। बारिश की वजह से झरेल की पुलिया पर होकर सवाईमाधोपुर की तरफ जाने और आने वाले सभी वहां डाइवर्ट हो गए हैं। बारां जिले से दिल्ली और जयपुर की तरफ कुछ बसें सवाई माधोपुर होकर चलती है। यह इटावा खातौली होते हुए निकलती है। ऐसे सभी वाहनों को भी गैंता माखिदा, इंद्रगढ़, लबान होते हुए डायवर्ट किया गया है। सवाई माधोपुर की तरफ से इस रूट पर आने वाले वाहन भी इसी तरह आ रहे हैं।

खतौली थाना अधिकारी मंशीराम बिश्नोई ने बताया कि रविवार को ही पुलिया पर दो फीट आ गया था। इसके चलते यहां से गुजरने वाले सभी वाहनों को डाइवर्ट करवा रहे हैं। दूसरी तरफ सवाई माधोपुर पुलिस की तैनातगी हैं। इसी तरह से कोटा जिले के अयाना थाना इलाके में आने वाली क्वांजापुर पुलिया पर पार्वती नदी का पानी आ गया है। थानाधिकारी उम्मेद सिंह के अनुसार करीब दो से ढाई फीट तक पानी पुलिया पर है, इसलिए यहां भी जाप्ता तैनात कर दिया गया है। लोगों को निकलने नहीं दिया जा रहा है। पुलिया बारां जिले से श्योपुर को कनेक्ट करती है। ऐसे में यहां से सीधे मध्यप्रदेश जाने का यह सबसे सुगम रास्ता बंद हो गया है।

कोटा बैराज से हो रही पानी की निकासी :- जल संसाधन विभाग के सहायक अभियंता निकिता पारेता ने बताया कि राणा प्रताप सागर बांध से 5905 क्यूसेक पानी मशीन के जरिए डिस्चार्ज किया जा रहा है। इसी तरह से जवाहर सागर बांध से मशीन डिस्चार्ज के जरिए 5690 क्यूसेक पानी निकाला जा रहा है। वहीं कोटा बैराज के दो गेट खोलकर 7466 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसके लिए दो गेट खोले गए हैं, जिनमें 5 नंबर गेट को 3 फीट और 6 नंबर गेट को 2 फीट खोला गया है। हालांकि चंबल नदी में अन्य सहायक नदियों का पानी आना के चलते झरेल की पुलिया पर ज्यादा पानी आ गया है।

छबड़ा में बारिश के कारण जलाशयों का जलस्तर बढ़ा : पिछले दिनों से हो रही बारिश के कारण नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया हैं। बारिश का दौर जारी रहने के कारण प्रशासन ने आमजन से सतर्कता बरतने की अपील की है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र में रविवार शाम को शुरू हुआ बारिश का दौर पूरी रात जारी रहा। वहीं सोमवार को भी दोपहर बाद तक भी रुक-रुककर बारिश का दौर जारी रहा। क्षेत्र में बीते 24 घण्टों में 91 एमएम बारिश दर्ज की गई। जिसके चलते क्षेत्र के पार्वती, रेणुका नदी सहित अन्य जलाशयों का जलस्तर भी बढ़ा हुआ नज़र आया।

चार फर्मों के बिना लाइसेंस चल रहे खाद-बीज के सात गोदाम सीज़

- गोदामों से खाद, बीज, पेस्टिसाइड के नकली होने की आशंका में 26 सैम्पल लिए
- सैम्पल को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा, फैल होने पर कार्रवाई की जाएगी

बीकानेर, (निसं)। कृषि विभाग ने अनाज मंडी के सामने एक कॉम्पलेक्स में स्थित चार फर्मों के सात गोदाम सीज कर दिए हैं। गोदामों से खाद, बीज, पेस्टिसाइड के नकली होने की आशंका में 26 सैम्पल लिए गए हैं। यह कार्रवाई सुबह करीब नौ बजे तक चली।

श्रीगंगानगर रोड स्थित अनाज मंडी के सामने भूरा कॉम्पलेक्स में 20 से भी अधिक गोदाम व्यापारियों ने किराए पर ले रखे हैं। नकली खाद, बीज और पेस्टिसाइड के भंडारण की सूचना पर कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने रात को वहां अचानक छापा मारा था। इस दौरान सात गोदामों के ताले तोड़े गए। उनमें रखे माल की जांच की गई। कृषि विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर पूछताछ की तो उन्होंने गोदामों की सूचना होने से अनभिज्ञता जता दी।

संयुक्त निदेशक कैलाश चौधरी ने बताया कि कॉम्पलेक्स में मैसर्स शिव शक्ति खाद बीज भंडार, मैसर्स अन्नदाता एग्रो एजेंसी, मैसर्स जेपी खाद बीज एजेंसी और जमींदारा कृषि सेवा सहकारी समिति के सात गोदामों के ताले तोड़कर तलाशी ली गई थी। इनके रिकॉर्ड चैक करने पर पता चला कि फर्मों को जारी लाइसेंस में इन गोदामों की अनुमति ही नहीं ली गई थी। यानी गोदाम अवैध रूप से संचालित किए जा रहे थे। अनियमितताएं पाए जाने पर गोदाम सीज कर दिए गए। इनमें रखे बायो स्टिमुलेंट, बीज, खाद, पेस्टिसाइड के 26 सैम्पल लिए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। सैम्पल फैल होने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

कृषि के लिए खाद, बीज, पेस्टिसाइड का भंडारण करने के लिए गोदाम बिना स्वीकृति के ही चल रहे हैं। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी मीणा के छापे के बाद यह हकीकत उजागर हुई है। डॉ. मीणा ने भी कहा है कि विभाग के अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर व्यापारी अवैध रूप से माल का स्टॉक कर रहे हैं और नकली खाद, बीज आदि किसानों को बेचा जा रहा है। अनाज मंडी के व्यापारी गोदारा एग्रो एजेंसी के प्रोपराइटर रामनिवास गोदारा ने भी गोदाम की स्वीकृति नहीं ली थी।

बीछवाल औद्योगिक क्षेत्र में उनके गोदाम से जब्त 468.25 क्विंटल बायो स्टीमुलेंट बीकानेर और कोलायत क्रय विक्रय सहकारी समिति के गोदाम में रखवाया गया है। यह कार्रवाई 20 जून को हुई थी, जो 21 जून को सुबह पांच बजे तक चली। रात को कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी मीणा यहां पहुंच गए। दरअसल विभाग ने कृषि मंत्री के आने की भनक लगने पर तुरत-फुरत व्यापारियों के गोदामों पर छापे मारे, जबकि लंबे समय से चल रहे इन गोदामों पर पहले कभी कार्रवाई नहीं की गई।

524 करोड़ की जीएसटी चोरी करने वाली गैंग का खुलासा, सात गिरफ्तार

- अंतरराज्यीय गैंग ने 22 राज्यों में लगभग 240 फर्मों में करीब 524 करोड़ का जीएसटी टैक्स चोरी किया

जोधपुर, (कासं)।कमिश्नरेट की जिला पश्चिम के पुलिस थाना देवनगर, जिला विशेष टीम एवं साइबर सैल द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए कूटरचित तरिके से आधार कार्ड, पैन कार्ड, फर्जी फर्म, बैंक खाता, ई-मेल आईडी आदि बनाकर जीएसटी टैक्स चोरी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग का खुलासा किया है। मामले में पुलिस ने कुल सात व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

डीसीपी पश्चिम राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि गैंग ने 22 राज्यों में लगभग 240 फर्मों में करीब 524 करोड़ रुपए का जीएसटी टैक्स चोरी किया गया जिसमें से 278 करोड़ रुपए की फर्जी बिलों के आधार पर जीएसटी इनपुट ली गई है एवं 246 करोड़ रुपए की जीएसटी इनपुट पास ऑन की गई है। इन 240 फर्मों में 44 फर्मों की पहचान ई-मेल एड्रेस, पैन कार्ड, मोबाइल नंबर के आधार पर एवं अन्य 196 फर्मों की पहचान अन्य डेटा बेस के आधार पर की गई।

कुल 240 फर्मों में से 152 फर्मों का जीएसटी रजिस्ट्रेशन अलग-अलग राज्यों से सम्बंधित जीएसटी विभाग द्वारा पूर्व में जीएसटी रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया। राजस्थान में रजिस्टर्ड 29 फर्मों में से 16 फर्मों का जीएसटी रजिस्ट्रेशन जीएसटी विभाग द्वारा पूर्व में जीएसटी रजिस्ट्रेशन कैंसिल कर दिया गया था। इसी प्रकार जोधपुर में कुल 17 फर्म रजिस्टर्ड थी। जिसमें से 9 फर्मों का जीएसटी रजिस्ट्रेशन जीएसटी विभाग द्वारा पूर्व में जीएसटी रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया तथा शेष रही 8 फर्मे सेंट्रल जीएसटी जोधपुर की टीए एंड एंटी इवेसन ब्रांच द्वारा 19 जून को कार्रवाई की गई तो सभी 8 फर्मे अपने रजिस्टर्ड पते पर संचालित नहीं होना पाया गया। जिला जोधपुर पश्चिम द्वारा साझा किया गया डाटा पर उक्त फर्मों से सम्बंधित जीएसटी डाटा का सेंट्रल जीएसटी जोधपुर की टीए एंड एंटी इवेसन ब्रांच द्वारा अनुसंधान किया जा रहा है।

पुष्कर सरोवर में डूबने से युवक की मौत

युवक नीमड़ी रलावता का रहने वाला था, दोस्त के साथ आया था

- लोगों ने युवक को बचाने का काफी प्रयास किया था

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में सोमवार को पवित्र सरोवर के मुख्य गऊ घाट पर स्नान करते वक्त एक युवक की डूबने से मौत हो गई।

जानकारी अनुसार नीमड़ी रलावता निवासी युवक गजेंद्र सिंह पुत्र पप्पू सिंह अपने दोस्त सागर सिंह के साथ पुष्कर घूमने आया। इस दौरान दोपहर को वह दोनों मुख्य गऊ घाट पर स्नान कर रहे थे। घाट पर मौजूद तीर्थ पुरोहितों ने उन्हें आगे जाने से मना किया लेकिन वह माने नहीं और इसी दौरान गजेंद्र सिंह गहरे पानी में चला गया जिसके चलते वह पानी में डूबने लग गया। लोगों ने उसे बचाने का काफी प्रयास किया लेकिन युवक गहरे पानी में चले जाने से डूब गया। इस दौरान उसका दोस्त सावर सिंह घबराकर दोस्त मौके से भाग गया जिसे स्थानीय पुरोहित पकड़ कर लाए। वहीं मामले की जानकारी मिलते ही सिविल डिफेंस की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची सिविल डिफेंस के किशन लाल जाट और अमरचंद ने तुरंत पानी में कूदकर युवक को निकाला, लेकिन तब तक युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने युवक के शव को पुष्कर अस्पताल के चीर घर में रखवाकर परिजनों को मामले की सूचना दी।

दो पक्षों के बीच बचाव कर रही पुलिस पर हमला

- पुलिस के साथ धक्का-मुक्की कर वाहन में तोड़फोड़, पुलिस ने पांच जनों को डिटेन किया

शाहपुरा, (निसं)। जहाजपुर रोड पर आमली बंगला चौराहे के पास रविवार को दिन में दो पक्षों में हो रहे सामाजिक विवाद को लेकर बीच बचाव कर रही पुलिस पर दो दर्जन से अधिक लोगों ने एक पक्ष के लोगों के साथ पुलिस व उनके वाहन पर हमला बोल दिया। इस घटना को लेकर शाहपुरा थाने के दीवान महावीर शर्मा ने दो दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ नामजद शाहपुरा थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है।

थानाधिकारी सुरेश चन्द्र ने बताया कि आमली बंगला निवासी मेंबर बंजारा ने पुलिस को सूचना दी कि बड़लियास क्षेत्र के कुंडी गांव के दो दर्जन से अधिक लोग घरों पर हमला करने की आशंका व्यक्त करते हुए थाने में रिपोर्ट दी। प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और आमली बंगला चौराहे के पास जहाजपुर मार्ग पर कुंडी गांव से कई वाहनों में भरकर आए दर्जनों लोगों ने आमली के अधिवक्ता नाहर सिंह बंजारा आते से ही हमला कर दिया। पुलिस बीच बचाव करने लगी तो समूह में आए लोगों ने पथराव करते हुए पुलिस के साथ धक्का-मुक्की कर उनके वाहन पर लट्ठ बरसाते हुए वाहन के कांच फोड़ दिए। इस घटना की सूचना पर थानाधिकारी के नेतृत्व में बड़ा जाब्ता मौके पर पहुंछा। हमलावर वाहन लेकर मौके से भाग छूटे। पुलिस ने नाकाबंदी करवाते हुए पांच हमलावरों को डिटेन कर उनसे पूछताछ की जा रही है। दीवान महावीर शर्मा द्वारा दो दर्जन से अधिक नामजद हमलावरों के खिलाफ रविवार देर रात मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

Rajasthan Financial Services Delivery Limited
3rd Floor. REIL House, Shiprapath, Mansarovar, Jaipur-302020
E-Mail : rfsdl@rajasthan.gov.in
No. : F.1(21)/RFSDL/2025 Date : 19/06/2025
Corrigendum – II
Date of Bid Submission for NIB-02/2025-26 Dated 09/05/2025 is extended from 23.06.2025 to 09.07.2025. The detail may be visited on the procurement portal **https://eproc.rajasthan.gov.in, & https://sppp.rajasthan.gov.in.**
Raj.Samwad/C/25/4685 Executive Director (Adm.)

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड सवाई माधोपुर
राजकीय आयुर्वेद औषधालय के पास, सामान्य चिकित्सालयपरिसर, सवाई माधोपुर
email-eemhswm@gmail.com फोनः 07462-233169
क्रमांकः381 **ई-टेण्डिरिंग निविदा सूचना 05/2025-26** दिनांकः10/6/25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य के स.माधोपुर व बूंदी में विभिन्न स्थानों पर रू. 623.09 लाख के 17 निर्माण कार्य/विद्युत कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में विद्युत कार्य/निर्माण कार्य हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणीके संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायेंआमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.Org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता हैं।
UBN No.- MHS2526WSOB01727, MHS2526WSOB01728, MHS2526WSOB01729 MHS2526WSOB01730, MHS2526WSOB01731, MHS2526WSOB01741, MHS2526WSOB01742 MHS2526WSOB01743, MHS2526WSOB01744, MHS2526WSOB01745, MHS2526WSOB01746 MHS2526WSOB01748, MHS2526WSOB01749, MHS2526WSOB01750, MHS2526WSOB01751 MHS2526WSOB01752, MHS2526WSOB01754
अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/7973/2025 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड सवाई माधोपुर

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER P.W.D DN. ALIGARH
No:664-73 Dated:-10/6/2025
Notice Inviting Bid 04/2025-26
9 Nos. Bids for Construction of Patch Repair works on Various Roads & CD Works & Renewal Works are invited from interested bidders upto 23.06.2025 Time 6.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state; and Public Works department Rajasthan website. The approximate value of the procurement is Rs. 214.56 Lacs.
NIB code-PWD2526A1234
UBN No.- 1. PWD2526WSOB04206, 2. PWD2526WSOB04207 3. PWD2526WSOB04208, 4. PWD2526WSOB04209. 5. PWD2526WSOB04210 6. PWD2526WSOB04211, 7. PWD2526WSOB04212, 8. PWD2526WSOB04215 9. PWD2526WSOB04218
(B. S. Meena) Executive Engineer, P.W.D. Dn. Aligarh
DIPR/C/7984/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जिला खण्ड सांगोद (जिला कोटा)
क्रमांकः-670 **निविदा सूचना संख्या 05/2025-26** दिनांक : 09.06.2025
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सडक/भवन कार्यों के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए, बी, सी, श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी।
निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in /tenders.asp व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। **(UBN NO.PWD2526WSOB04250), (UBN NO.PWD2526WSOB04251) (UBN NO.PWD2526WSOB04253), (UBN NO.PWD2526WSOB04255) (UBN NO.PWD2526WSOB04257), (UBN NO.PWD2526WSOB04260) (UBN NO.PWD2526WSOB04263), (UBN NO.PWD2526WSOB04265) (UBN NO.PWD2526WSOB04269), (UBN NO.PWD2526WSOB04271)**
(दिनेश कुमार धाकड़) अधिशाषी अभियन्ता सानिवि जिला खण्ड सांगोद
DIPR/C/8004/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा.अभि.विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड द्वितीय, बीकानेर
पी.एच.ई.डी.कैम्पस, इण्डस्ट्रीयल एरिया, के.जी.कॉम्पलेक्स के पास, रानीबाजार, बीकानेर (334001)
फोन नं. 0151-2226475, ई-मेल-pheddriibkn@gmail.com,
eediv2.bik.phed@rajasthan.gov.in Latitude 28.0005250 Longitude 73.3249120
क्रमांक-1562-79 **Notice Inviting Bid:- 25 to 37/2025-26** दिनांक-10.06.2025
Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 20-06-2025 at 16.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 313.83 lacs.

NIT No	25	26	27	28	29	30
UBN No.	PHE2526WSOB03431	PHE2526WSOB03432	PHE2526WSOB03433	PHE2526WSOB03434	PHE2526WSOB03435	PHE2526WSOB03436

31	32	33	34	35	36	37
PHE2526WSOB03437	PHE2526WSOB03438	PHE2526WSOB03441	PHE2526WSOB03442	PHE2526WSOB03443	PHE2526WSOB03444	PHE2526WSOB03445

(नरेश कुमार रैगर) अधिशाषी अभियंता
DIPR/C/8005/2025 जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड-II, बीकानेर

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DIVISION KARAULI
PH NO.-07464-250219 E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in
Notice Inviting Bid
Bids for construction and commissioning of 200 mm dia tube well work invited from. interested bidders up to 23.06.2025 other particulars of the bid may be visited on the procurement portal eproc.rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website.
NIB CODE:-PHE2526A1661

S.N.	NIT NO.	UBN	S.N.	NIT NO.	UBN
1	29/2025-26	PHE2526WSOB03416	4	32/2025-26	PHE2526WSOB03423
2	30/2025-26	PHE2526WSOB03419	5	33/2025-26	PHE2526WSOB03425
3	31/2025-26	PHE2526WSOB03420			
01	Total work		05		
02	Total Estimate Cost		74.68 Lac		
03	Bid submission end date		23.06.2025 up to 11.00 AM		
04	Bid opening date		24.06.2025 at 02.00 PM		

(Vijay Kumar Meena) Executive Engineer PHED Division Karauli
DIPR/C/7959/2025

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट www.udaipurmc.org
क्रमांकः– राजस्व/2025–26/44 दिनांकः– 19.6.25
निविदा सूचना
नगर निगम उदयपुर द्वारा वाहन पार्किंग स्थल "देहलीगेट" पर 2 वर्ष की अवधि के लिए वाहन पार्किंग कार्य हेतु सील बन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत जानकारी, निविदा प्रपत्र एवं नियम शर्तों की सूचना वेबसाईट https://sppp.Rajasthan.gov.in व www.udaipurmc.org पर उपलब्ध है। निविदा की प्रारंभ तिथि 20.6.25 अन्तिम तिथि 30.06.2025 तथा खुलने की तिथि 01.07.2025 है।
UBN No.- UNP2526SSOB00045
राज.संवाद/सी/25/4730 आयुक्त, नगर निगम, उदयपुर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा. नि. वि. खण्ड नाथद्वारा जिला राजसमन्द राजस्थान
क्रमांक : 4 दिनांक : 09.06.2025
निविदा सूचना संख्या 04/2025-26
NIB:- PWD2526A1193
नवीन सड़को एवं भवनों के निर्माण कार्य हेतु ईच्छुक संवेदको से निविदा दिनांक 23.06.2025 सायं 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा के सम्बन्ध में अन्य विवरण उपापन वेबसाईट ("http://www.eproc.rajasthan.gov.in और http://www.sppp.rajasthan.gov.in) पर देखा जा सकता है। उपापन की कुल अनुमानित राशि 255.74 लाख रुपया है।
UBN No.- 1. PWD2526WSOB04081, 2. PWD2526WSOB04082
(भानु प्रकाश माथुर) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड नाथद्वारा
DIPR/C/7964/2025

प्रसार शिक्षा निदेशालय
(श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय), जोबनेर, जिला-जयपुर (राजस्थान) 303329
No. DEE/Acctt/Tender/2025/ Dated :- 19/06/2025
खुली निविदा सूचना
प्रसार शिक्षा निदेशालय, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर पर चल रहे कार्यक्रमों एवं पाठ्यक्रमों के दौरान विभिन्न प्रशिक्षणों, मासिक बैठकों, संगोष्ठियों, क्षेत्र दिवसों एवं किसान मेलों में अधिकारियों, प्रशिक्षणार्थियों, किसानों एवं आंमत्रित सदस्यों के लिए नाश्ता, दोपहर व रात्रि भोजन के लिए दरें आंमत्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित सभी अर्हतांए एवं शर्ते निविदा प्रपत्र में दर्शायी गयी है कार्यालय सूचना पट्ट तथा विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.sknau.ac.in** व **http://sppp.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है। इच्छुक केटर्स, कैन्टीन मालिक, ढ़ाबा व्यवसाई व हलवाई प्रसार षिक्षा निदेशालय से निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क द्वारा दिनांक 26.06.2025 को दोपहर 1.00 बजे तक प्राप्त कर मोहरबंद निविदाएं निम्नानुसार कार्यालय में दिनांक 26.06.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकता है। **UBN: SKN2526SSOB00120**
राज.संवाद/सी/25/4691 निदेशक प्रसार शिक्षा

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट www.udaipurmc.org
क्रमांक : निविजा/2025–26/ई –12 दिनांक :– 19.06.2025
(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या – ई 12/2025–26
नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रु0 111.50 लाख के कुल 08 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्य संख्या 01 की प्रारम्भ तिथी 20.06.2025 एवं अंतिम तिथि 25.06.2025 दोपहर 02.00 बजे तक तथा निविदा खुलने की तिथी 25.06.2025 दोपहर 02.00 बजे पश्चात रहेगी तथा कार्य संख्या 02 से 08 तक के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 20.06.2025 एवं अंतिम तिथि 30.06.2025 तथा निविदा खुलने की तिथी 01.07.2025 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।
UBN No. UNP2526WSOB00044
अधीक्षण अभियन्ता नगर निगम, उदयपुर
राज.संवाद/सी/25/4733

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, चाकसू
क्रमांक न.पा.चा./स्टोर/2025/2068 दिनांकः 16.06.2025
ई–निविदा सूचना संख्या 05/2025–26
पालिका द्वारा पत्रांक न.पा.चा./स्टोर/2025/1937 दिनांक 10.06.2025 द्वारा जारी ई–निविदा सूचना संख्या 05/2025–26 में नगर पालिका चाकसू की ओर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका चाकसू में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों एवं अन्य विभागो के संबंधित "A" "AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑन–लाईन बोली आमंत्रित की गई है जिसमें संषोधन करते हुए सूचित किया जाता है कि नगर पालिका चाकसू की ओर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका चाकसू में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों एवं अन्य विभागो के संबंधित "A" "AA" व "B" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑन–लाईन बोली आमंत्रित की जाती है। बोली फार्म एवं ई–बोली से सम्बन्धित विवरण व शर्ते वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajsthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

S. No	UBN No.
1	DLB2526WSOB07775

राज.संवाद/सी/25/4706 अधिशाषी अधिकारी

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
प्रभारिम शशि सूर्ययोः
कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग) पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर
टेलीफैक्स : 0141 - 2201489, ई-मेलः zcejz@jvvnl.org
ई-निविदा सूचना
ई–निविदा दो भागों में (तकनीकी–वाणिज्यिक), जयपुर डिस्कॉम के जेपीडीसी दक्षिण सर्किल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सहायक अभियंता (एचटीएम) दूदू के अधीन नए 33/11 केवी चकवाडा जीएसएस के निर्माण का कार्य टीएन–127 (UBN : VVN2526WSOB00120) एवं सहायक अभियंता (एचटीएम) वाटिका के अधीन नए 33/11 केवी चंदेल कलां जीएसएस के निर्माण का कार्य टीएन–128 (UBN : VVN2526WSOB00121) के तहत एआरसी 2023 पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। निविदादाता सम्पूर्ण निविदा संबंधित दस्तावेज ई–प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल **http://www.eproc.rajasthan.gov.in** पर दिनांक 03.07.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदायें ऑनलाईन ई–पोर्टल पर दिनांक 17.07.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा संबंधी जानकारी कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट **www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in** से प्राप्त की जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/4681 जेपीआर - 3014 (2025) संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)
क्रमांक–निर्माण शाखा/निविदा/2025/1037–39 दिनांक : 20.06.2025
निविदा सूचना
नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 23.06.2025 से दिनांक 06.07.2025 शाम 6 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 07.07.2025 को सांय 5 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/– का चालान "M.D. RISL Jaipur" के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।
निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB code- DLB2526A2626
UBN :- DLB2526WSOB08416, DLB2526WSOB08419, DLB2526WSOB08422, DLB2526WSOB08429, DLB2526WSOB08434, DLB2526WSOB08436, DLB2526WSOB08438, DLB2526WSOB08440, DLB2526WSOB08442, DLB2526WSOB08443, DLB2526WSOB08444, DLB2526WSOB08445, DLB2526WSOB08446, DLB2526WSOB08447, DLB2526WSOB08448, DLB2526WSOB08455, DLB2526WSOB08456, DLB2526WSOB08457, DLB2526WSOB08458, DLB2526WSOB08459, DLB2526WSOB08460, DLB2526WSOB08461, DLB2526WSOB08462, DLB2526WSOB08463, DLB2526WSOB08464, DLB2526WSOB08465
अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका रतनगढ़
राज.संवाद/सी/25/4718

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
राजकीय जनाना चिकित्सालय परिसर, मोरी चार बाग, भरतपुर 321 001 (राज.)
eemhbharatpur@gmail.com, ee-mh-bharatpur@gov.in, Mob. 9602097030
क्रमांक-M&H/2025-26/656 दिनांक : 09.06.2025
निविदा सूचना संख्याः 12/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत विभिन्न कार्य जिला भरतपुर में रू. 147.65 लाख के निर्माण कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में सिविल कार्यों हेतु पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

S.No.	Name of work	Amount	UBIN NO
1	Internal Electrification work at BPHU Sarmathura Distt Dholpur	16.80	MHS2526WSOB01789
2	Internal Electrification work at BPHU Suroth Distt. Karauli	16.80	MHS2526WSOB01790
3	Internal Electrification work at BCMO Office Pahadi Distt Deeg	11.00	MHS2526WSOB01791
4	Internal Electrification work at BPHU Pahadi Distt. Deeg	16.80	MHS2526WSOB01792
5	Internal Electrification work at PHC Bedam Distt Deeg	11.75	MHS2526WSOB01793
6	Internal Electrification work at PHC Jalalpur Distt Deeg	11.75	MHS2526WSOB01794
7	Internal Electrification work at PHC Hatheni Distt Bharatpur	11.75	MHS2526WSOB01795
8	Construction of one room & other work at CHC Gudachandrajee Distt. Karauli	40.00	MHS2526WSOB01796
9	Internal Electrification work at BCMO Office Saipau Distt Dholpur	11.00	MHS2526WSOB01797

(एल. के. अग्रवाल) अधिशाषी अभियंता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, भरतपुर
DIPR/C/8287/2025

मूंगफली के छिलके से भरा ट्रक पलटा, दम्पती सहित बेटी की मौत

24 घंटे तक मूंगफली के छिलकों में दबे रहे पति-पत्नी और ढाई साल की बेटी

तीनों के शव मिले तो ग्रामीण आक्रोशित हो गए और विरोध प्रदर्शन किया।

मृतक दम्पती व बेटी की फाइल फोटो।

शाहपुरा, (निसं)। शाहपुरा के धाराजी घाटे में एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें एक पति-पत्नी और उनकी ढाई साल की बेटी की मौत हो गई। हादसा रविवार सुबह हुआ, जब राजेंद्र गुर्जर अपनी पत्नी अनू गुर्जर और बेटी अयांशी के साथ अजीतगढ़ स्थित जगदीश धाम मंदिर जा रहे थे। धाराजी घाटी पर मूंगफली के छिलके से भरा हुआ ट्रक अचानक पलट गया, जिससे राजेंद्र, अनू और अयांशी उसके नीचे दब गए। हादसे के बाद इनके फोन बंद हो गए और परिजनों को उनकी कोई खबर नहीं मिली।

- हादसे के बाद इनके फोन बंद हो गए और परिजनों को उनकी कोई खबर नहीं मिली

अजीतगढ़ थानाधिकारी मुकेश सेपट ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलने के बाद टीम मौके पर पहुंची और ट्रक के आगे का हिस्सा हटा दिया था। सोमवार सुबह करीब आठ बजे जब मूंगफली के छिलके हटाए जा रहे थे तो तीनों के शव वहां नीचे दबे हुए मिले। सोमवार को जब तीनों के शव मिले तो ग्रामीण आक्रोशित हो गए और विरोध प्रदर्शन करने लगे।

ग्रामीणों ने शाहपुरा-अजीतगढ़ रास्ते पर जाम लगा दिया और शव उठाने से इंकार कर दिया। बताया जा रहा है कि अनू प्रेग्नेंट भी थी। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वे बार-बार यही कह रहे हैं कि अगर पुलिस समय पर पहुंच जाती तो शायद तीनों की जान बच सकती थी। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कह रही है।

किशनगढ़ बास में बारिश से सड़कें जलमग्न

किशनगढ़ बास में आधे घंटे हुई बारिश से बाजार में पानी भर गया।

किशनगढ़ बास, (निसं)। करीब 30 मिनट की बारिश ने नगर पालिका की ओर से मानसून को देखते हुए नालों की सफाई के लिए छोड़े गए लगभग 25 लाख रुपए के टैंडर की पोल कर रख दी है। गंज रोड, मुख्य बाजार, अनाज मंडी सहित अनेक सड़कें पानी से जलमग्न दिखाई देने पर आमजन को परेशानी उठानी पड़ी। वहीं लोग नगर पालिका को निष्क्रियता पर कोसते नजर आए।

नगर पालिका प्रतिपक्ष नेता पार्षद उमेश यादव नगर पालिका अधिकारियों की कार्यशैली और शहर में हो रही सफाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि नालों की सफाई मानसून के आने से पहले नगर पालिका को टैंडर कर शुरू करनी थी अब जब मानसून आ गया है तो औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए सफाई कराई जा रही है जो कि नगर पालिका की बदनियती को साफ दर्शाता है। पार्षद यादव ने कहा है कि 25 लाख रुपए का नाला सफाई का टैंडर होने के बाद भी दुकानदारों को 2 से 3 हजार रुपए देकर अपनी-अपनी दुकान के आगे निजी कर्मचारी लगाकर नालों की सफाई करानी पड़ रही हैं। सोमवार को सायं करीब पांच बजे बारिश का दौर शुरू हुआ जो आधा घंटे रहा। इस थोड़ी सी देर की बारिश से चारों ओर शहर की सड़कों पर पानी भर गया। पैदल राहगीरों भारी परेशानी उठानी पड़ी। गौरतलब बात यह है कि ढेड़ घंटे बाद तक गंज रौड और मुख्य बाजार की सड़क पर पानी भरा रहा।

बंदी की उपचार के दौरान मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला जेल में पॉक्सो कोर्ट में सजायप्ता बंदी की अचानक तबियत बिगड़ने के बाद एमजी हॉस्पिटल में उपचार के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार भीलवाड़ा जिला जेल में 2021 के पॉक्सो के मामले में जेसी पर चल रहे आशिक पिता मोहम्मद इब्राहिम की शनिवार को अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसे महात्मा गांधी चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया। आशिक का एमजी हॉस्पिटल के आईसीयू में उपचार चल रहा था, इसी बीच अचानक उसकी इलाज के दौरान ही मौत हो गई। एमजी चौकी पुलिस ने परिजनों को इसकी सूचना दी और मृतक के शव को महात्मा गांधी चिकित्सालय की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है। बताया जा रहा है कि बंदी आशिक का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया जाएगा।

टीडीनाथ आश्रम में लेपर्ड के आने की आशंका

श्रीमाधोपुर, (निसं)। शहर के पुराने कोर्ट रोड स्थित टीडीनाथ आश्रम में बीती रात वन्यजीव की आमद से सनसनी फैल गई। आश्रम के पूरे परिसर में खून के निशान और जानवर जैसे पैरों के पदचिन्ह मिलने के बाद लेपर्ड (तेन्दुआ) के आने की आशंका जताई गई है।

- पदचिन्हों और खून के निशान से हड़कंप मचा

बाबा धर्मगिरी ने बताया कि रविवार देर रात आश्रम में लाइट नहीं आने की वजह से 9:30 बजे सो गया था। सोमवार अल सुबह तीन बजे जब उठा तब दुर्गंध आने महसूस हुई जिस पर लाइट जलाकर देखा तो मंदिर परिसर में चारों तरफ खून के धब्बे दिखे। उन्होंने आश्रम परिसर में कई स्थानों पर खून के धब्बे और जंगली जानवर के पैरों के निशान देखे। तुरंत ही यह सूचना अन्य श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को दी गई, जिससे मौके पर भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि लेपर्ड ने किसी पालतू या जंगली जानवर का शिकार कर लिया होगा। सूचना मिलने के करीब डेढ़ घंटे बाद वन विभाग की टीम के वनरक्षक मंगल सिंह मौके पर पहुंचे वनपाल ने पदचिन्हों का निरीक्षण किया और प्रारंभिक जांच में यह संभावना जताई कि ये निशान लेपर्ड के न होकर जरख (जंगली जानवर) जैसे प्रतीत हो रहे हैं। जिनके पगमार्ग सोनी कॉलोनी तक देखे गए।

मांगरोल उपखण्ड क्षैत्र में सात इंच बरसात हुई

मांगरोल, (निसं)। उपखण्ड क्षैत्र में पहले मानसून में सोमवार को सुबह आठ बजे से लेकर शाम को पांच बजे तक 180 एमएम (सात इंच) बरसात हुई। बरसात होने से चारों ओर पानी ही पानी नजर आया। माँगरोल क्षेत्र में आसपास के गांव के खेतों में पानी ही पानी नजर आ रहा है। यहां तक कि भोज्याहेडी गांव के पलड़ा नाले में उफान आया। बरसात में पानी आने के कारण कच्छा बाई पास रोड की मिट्टी बह गई जिससे संपर्क टूट गया, जबकि इस गांव के लिए नई पुलिया का निर्माण अभी चल रहा है। मांगरोल और क्षैत्र में पार्वती नदी उफान पर चल रही है और मांगरोल बांण गंगा नदी में भी जलस्तर बढ़ रहा है। कई निचली बस्तियों में बारिश का पानी भर गया।

करंट से डॉक्टर की मौत का मामला: मकराना में अंतिम संस्कार हुआ

- डॉक्टर की मौत के मामले में रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल पांचवें दिन भी जारी
- रेजिडेंट्स का कॉलेज परिसर में प्रशासन के खिलाफ आंदोलन जारी, एफआईआर दर्ज
- परिवार का पहला डॉक्टर और पीजी में गोल्ड मेडलिस्ट था डॉ. रवि

उदयपुर, (का.सं.)। आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज उदयपुर में डॉ. रवि शर्मा की करंट लगने से मौत के मामले में परिवार ने कॉलेज, हॉस्पिटल और हॉस्टल के लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। डॉ. रवि शर्मा की मौत के मामले में उनके चाचा देवीकिशन शर्मा ने हाथीपोल थाने में शिकायत दी। पुलिस ने लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

आरएनटी मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर की मौत के मामले में रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल सोमवार को पांचवें दिन भी जारी है। सोमवार को रेजिडेंट्स ने कॉलेज परिसर में प्रशासन के खिलाफ रैली निकाली और पुतला दहन किया। रैली में कॉलेज प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। हड़ताल का असर अस्पतालों की सेवाओं पर गंभीर रूप से पड़ रहा है। एमबी हॉस्पिटल, जनाना, सुपर स्पेशियलिटी विंग के साथ-साथ चांदपोल और सेटेलाइट हॉस्पिटल में मरीजों का इलाज प्रभावित हो रहा है।

इधर डॉ. रवि शर्मा की मौत के चौथे दिन रविवार रात करीब 11:30 बजे उनका पार्थिव शरीर एम्बुलेंस से मकराना भेजा गया। एमबी हॉस्पिटल की मॉर्च्यूरी में सैकड़ों रेजीडेंट डॉक्टर्स ने नम आंखों से अपने साथी को अंतिम विदाई दी। पुष्प वर्षा कर श्रद्धांजलि अर्पित की। जहां सोमवार उनका अंतिम संस्कार किया गया। मेडिकल कॉलेज के पीजी हॉस्टल में करंट से हुई डॉ. रवि शर्मा की मौत मामले में दर्ज एफआईआर में गंभीर खुलासा हुआ है। रेजीडेंट्स ने पहले भी कई बार वाटर कूलर में करंट की शिकायत की थी। व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से हॉस्टल प्रशासन, अस्पताल और कॉलेज प्रशासन को इस समस्या से अवगत कराया था। रेजीडेंट्स ने दुर्घटना की आशंका भी जताई थी, लेकिन प्रशासन ने कोई ध्यान नहीं दिया। न तो वाटर कूलर की मरम्मत कराई गई और न ही वहां कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया। प्रशासन की इसी लापरवाही के कारण डॉ. रवि शर्मा की करंट लगने से मौत हो गई। एफआईआर में ऐसे लापरवाह अफसरों और कर्मचारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

चाचा जगदीश शर्मा के अनुसार डॉ. रवि शर्मा बचपन से ही मेधावी छात्र था। कोटा में दो साल की तैयारी के बाद दूसरे प्रयास में जोधपुर मेडिकल कॉलेज में प्रवेश मिला। अजमेर के जेएलएन मेडिकल कॉलेज से एनेस्थिसीया में पीजी में गोल्ड मैडल हासिल किया। परिवार के पहले डॉक्टर रवि की प्रेरणा से उनके चचेरे भाई डॉ. प्रशांत, डॉ. उज्जवल और डॉ. यश शर्मा भी डॉक्टर बने। मकराना में साड़ी की दुकान चलाने वाले पिता दिलीप शर्मा का वह इकलौता बेटा था। उनकी एक छोटी बहन कोमल शर्मा है। डॉ. रवि की एक डेढ़ साल और दूसरी 3 साल की बेटी है।

जानकारी के अनुसार 18 जून को आरएनटी मेडिकल कॉलेज के पीजी हॉस्टल में रात करीब 1:30 बजे डॉ रवि शर्मा की वाटर कूलर से करंट लगने से मौत हो गई थी। इस हादसे को लेकर आरएनटी मेडिकल कॉलेज के सभी हॉस्पिटल्स में करीब 600 से ज्यादा रेजिडेंट्स ने 19 जून से हड़ताल शुरू कर दी। 19 जून को ही डॉक्टर रवि शर्मा के शव का आरएनटी मेडिकल कॉलेज प्रशासन द्वारा गठित बोर्ड ने पोस्टमार्टम किया। 20 जून डॉ रवि शर्मा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई जिसमें करंट लगने से मौत होने का कहीं भी जिक्र नहीं था।

रेजिडेंट्स चिकित्सकों की मांग पर 21 जून को एसएमएस हॉस्पिटल जयपुर से डॉक्टर बुलाकर वापस शव का पोस्टमार्टम किया गया। जिसमें डॉक्टरों ने करंट के झटके लगने से शरीर में चोट लगने की आशंका जताई। इसको लेकर 22 जून को डॉक्टर रवि शर्मा के परिजनों ने हाथीपोल थाने में कॉलेज प्रशासन, हॉस्टल, अस्पताल प्रशासन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। साथ ही मृतक डॉक्टर के शव को परिजन अपने गृह क्षेत्र नागौर के मकराना लेकर रवाना हो गए। हादसे को लेकर रेजिडेंट्स की हड़ताल सोमवार को भी जारी रही। कॉलेज परिसर में रेजिडेंट्स द्वारा कॉलेज प्रशासन के शव के पुतले की अंतिम यात्रा निकाल कर उसको फूंका गया।

पथराव प्रकरण में पांच और गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर की राजीव गांधी नगर पुलिस ने उम्मेद सागर बांध कैचमेंट एरिया में गत दिनों अतिक्रमण दस्ता, पीएचईडी जाब्ता और पुलिस पर पथराव करने वाले पांच और आरोपियों को अब गिरफ्तार किया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। मामले में पांच आरोपियों को की पूर्व में गिरफ्तारी हो चुकी है। अब तक दस लोग प्रकरण में गिरफ्तार किए गए हैं। थानाधिकारी सुरेश पोटलिया ने बताया कि उम्मेद सागर बांध कै चमेंट एरिया में गत दिनों अतिक्रमण हटाने गए पुलिस जाब्ता, नगर निगम अतिक्रमण दस्ता और पीएचईडी जाब्ते के साथ मारपीट करने और पथराव के प्रकरण में पांच और लोगों रेहान, सनीफ, सिकंदर, मो. साहिद और शिवचंद को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी आस पास के एरिया और बासनी के रहने वाले है। इससे पहले प्रकरण में पांच आरोपियों को पकड़ा गया था। मामले में मीडिया कर्मियों की तरफ से भी एक रिपोर्ट दी गई थी।

महिला टीचर के साथ महिलाओं ने मारपीट की

अजमेर, (कासं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला टीचर और उसके भाई के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। मारपीट की शिकार टीचर ने अपनी मौसी, उनके परिवार की महिलाओं सहित अन्य सदस्यों पर घर में घुसकर मारपीट और डंडे से हमला करने का आरोप लगाया है। पीड़ित टीचर ने अलवर गेट थाने में शिकायत दर्ज कराई है। महिला टीचर के साथ मारपीट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। पीड़िता टीचर ने पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर सोमवार को परिवार के साथ एसपी वंदिता राणा से न्याय की गुहार लगाई है और मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

- मारपीट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

अलवर गेट थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव मदारपुरा निवासी महिला टीचर नीतू रावत पुत्री शंकर सिंह ने थाने में लिखित शिकायत देते हुए कुछ लोगों पर मारपीट व डंडों से हमला करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़ित महिला टीचर नीतू ने बताया कि 22 जून को शाम करीब 6:30 अपने घर से परचूनी की दुकान पर जा रही थी, तभी भंवरी देवी, लक्ष्मी, छोटी देवी, अनु के मकान के पास से गुजर रही थी तभी सभी महिलाओं ने एक राय होकर उस पर हमला कर दिया। पीड़िता नीतू ने बताया कि भंवरी देवी ने उसकी चोटी पकड़ कर बाल खींचा और सड़क पर उसे घसीटा, अन्य महिलाओं ने डंडों के साथ ही मारपीट की गई। भाई मोहित जब उसे बचाने आया और छुड़वाने का प्रयास किया तो महिलाओं ने उस पर भी डंडे से हमला कर दिया, जिसके सिर पर भी चोट आई है। सभी महिलाओं से उन्हें जान बचाकर वहां से भागना पड़ा था।

मालाणी एक्सप्रेस का खैरथल स्टेशन पर ठहराव 26 से

जोधपुर, (कासं)। रेल प्रशासन द्वारा मालाणी सुपरफास्ट ट्रेन का खैरथल स्टेशन पर ठहराव प्रारंभ किया जा रहा है।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन 20487, बाड़मेर-दिल्ली मालाणी सुपरफास्ट एक्सप्रेस (द्विसाप्ताहिक) जो 26 जून को बाड़मेर से प्रस्थान करेगी वह अगले दिन खैरथल स्टेशन पर सुबह 10 बजे आगमन कर 10.02 बजे प्रस्थान करेगी। डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि इसी प्रकार वापसी में ट्रेन 20488, दिल्ली-बाड़मेर मालाणी सुपरफास्ट एक्सप्रेस (द्विसाप्ताहिक) जो 27 जून को दिल्ली से प्रस्थान करेगी वह खैरथल स्टेशन पर शाम 6.02 बजे आगमन कर 6.04 बजे प्रस्थान करेगी।

आसाराम जोधपुर लौटे

जोधपुर, (कासं)। अपने ही आश्रम में नाबालिग से रेप के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम बापू पुणे में आयुर्वेदिक अस्पताल में इलाज करवाकर जोधपुर लौट आये हैं। उसकी झलक पाने के लिए समर्थकों की भीड़ एयरपोर्ट पर उमड़ पड़ी। आसाराम बापू यहां से सीधे अपने आश्रम चले गये। आसाराम बापू को राजस्थान हाईकोर्ट से तीस जून तक अंतरिम जमानत मिली हुई है।

आनासागर चौपाटी के स्ट्रीट वेंडरों ने अदालत की शरण ली, सुनवाई आज

अजमेर, (कासं)। नई आना सागर चौपाटी रीजनल कॉलेज के सामने खड़े होकर अपनी आजीविका फास्ट फूड बेचकर कमाने वाले स्ट्रीट वेंडरों ने नगर निगम की कार्रवाई के खिलाफ अदालत की शरण ली है, इस मामले में मंगलवार को सुनवाई होगी।

स्ट्रीट वेंडरों ने अपने अधिवक्ता संजीव रोहिला व विवेक पाराशर के जरिए सिविल न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड नगर उत्तर ग्रीष्मकालीन न्यायालय में वाद पत्र व स्थगन प्रार्थना पत्र पेश कर अदालत से गुहार लगाई है कि वे करीब आठ वर्षों से उक्त स्थल पर बतौर स्ट्रीट वेंडर काम कर अपनी आजीविका कमा रहे हैं, जिसके लिए हजारों रुपए किराया नगर निगम को प्रतिमाह अदा कर रहे हैं, उसके अलावा फूड लाइसेंस के शुल्क अलग से अदा कर रहे हैं और रोज शाम छह बजे से रात्रि तक अपना व्यवसाय करते जिससे अपने परिवार की आजीविका पालते हैं। नगर निगम द्वारा वेंडिंग जोन का लाइसेंस सभी खाद्य सामग्री बेचने वाले स्टीट वेंडर को जारी कर रखा है और उनके द्वारा अधिकृत फूड लाइसेंस वह नगर निगम को प्रतिमा किराया अदा कर निर्धारित स्थल के नाप के अनुसार मौके स्थल पर काम कर अपने व अपने परिवार की आजीविका चला रहे हैं। प्रस्तुत बाद में ये भी बताया गया कि राजस्थान स्ट्रीट वेंडर्स आजीविका संरक्षण एवं पत्र विक्रेता विनिमन स्कीम 2017 के नियमों की धज्जियां नगर निगम द्वारा उड़ाई जा रही है, जबकि उन्हें नई चौपाटी रीजनल को लेकर सामने काम करने की अनुमति विधिवत प्रदत्त कर रखी है और उन्हें जबरन यहां से हटाकर मित्तल हॉस्पिटल के सामने शिफ्ट करने का प्रयास किया जा रहा है और उन्हें मौके पर अतिक्रमण बताकर उन्हें अपने आजीविका के अधिकार से महरूम करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि जिस स्तर पर उन्हें अनुमति प्रदान की गई है।

शराबी को बचाने के चक्कर में बस पलटी, आधा दर्जन यात्री घायल

श्योपुर-कोटा स्टेट हाइवे 70 पर शराबी को बचाने के चक्कर में बस पलट गई।

कोटा, (निसं)। श्योपुर-कोटा स्टेट हाइवे 70 पर सोमवार दोपहर एक बस हादसे का शिकार हो गई। यह दुर्घटना कंवरपुरा के पास हुई। बस सुल्तानपुर से कोटा आ रही थी और इसमें तीन दर्जन से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसा उस समय हुआ जब सड़क किनारे शराब पीकर लड़खड़ाता एक व्यक्ति अचानक बस के सामने आ गया। चालक ने उसे बचाने की कोशिश में बस को साइड में कर ब्रेक लगाए, लेकिन बारिश के कारण मिट्टी फिसलन भरी हो गई थी इससे बस सड़क किनारे ड्रेन में पलट गई। हादसे में आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं जिन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पहले सुल्तानपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। हालांकि यह मामला दीगोद थाने का था। ऐसे में दीगोद थाना पुलिस भी मौके पर बाद में आ गई और कार्रवाई शुरू की है।

दीगोद थाना अधिकारी पुरुषोत्तम मेहता ने बताया कि दुर्घटना कंवरपुरा के नजदीक दोपहर 12.15 बजे हुई। इसमें शराब के ठेके से शराब खरीद कर एक व्यक्ति सड़क पर आ गया था जिसने शराब भी पी हुई थी। पैदल व्यक्ति को बचाने के लिए बस चालक ने प्रयास किया। इसको बचाने के लिए बस को साइड में किया गया और ब्रेक लगाया था लेकिन बारिश की वजह से मिट्टी में बस स्लिप हो गई। इसके बाद अनियंत्रित होकर सड़क के नजदीक ड्रेन में पलट गई। घटनास्थल पर यात्रियों की चीख पुकार मच गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने सभी यात्रियों को बाहर निकलना शुरू किया। दीगोद थाने के असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि अधिकांश यात्रियों को मामूली चोट लगी थी, जिन्हें अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद ही भेज दिया गया है। बस सुल्तानपुर से कोटा जा रही थी। इसमें मांगरोल निवासी समोल बाई के कंधे में ज्यादा चोट लगी है। इसके चलते उसे कोटा रैफर कर दिया है। इस पूरे मामले में जांच की जा रही है।

- बारिश के कारण मिट्टी फिसलन भरी हो गई थी, इससे बस सड़क किनारे ड्रेन में पलट गई

बीज-खाद के सैंपल जांच के लिये भेजे जायेंगे

बीकानेर, (निसं)। यहां किसानों को नकली खाद, बीज और पेस्टिसाइड्स उपलब्ध कराने वाली फर्मों के सैंपल सोमवार को जांच के लिए प्रदेश की अलग-अलग लैब में भेजे जा रहे हैं। इन सैंपल के गड़बड़ मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। गड़बड़ करने वाली फर्मों को बड़ी पैनल्टी के साथ ही कानूनी कार्रवाई का सामना भी करना पड़ सकता है।

- अनियमितता पाए जाने पर फर्मों को जुर्माना देना होगा

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक कैलाश चौधरी ने बताया कि राज्यभर में सात लैब है, जहां बीज, खाद, पेस्टिसाइड्स की जांच हो सकती है। इनमें जयपुर के दुर्गापुरा, जोधपुर, चित्तौड़गढ़ की लैब शामिल है। किस फर्म का कौनसा सैंपल, किस लैब को भेजा जाएगा, ये ऑनलाइन ही तय होता है। सोमवार को सभी सैंपल भेज दिए गए, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि बीकानेर में 11 हजार किलो उर्वरक, 1136 लीटर पेस्टिसाइड्स जब्त किया गया है। इनके सैंपल सोमवार को रवाना कर दिए। कुल 26 सैंपल लिए गए हैं, जिनकी रिपोर्ट एक महीने के भीतर आने की उम्मीद की जा रही है।

श्रीगंगानगर रोड स्थित अनाज मंडी के सामने भूरा कॉम्पलेक्स में बीस से अधिक गोदाम व्यापारियों ने किराए पर ले रखे हैं। नकली खाद, बीज और पेस्टिसाइड्स के नमूने इन्हीं गोदामों से लिए गए हैं। सीज किए गए गोदाम फिलहाल प्रशासन के कब्जे में रहेंगे। यहां शिव शक्ति खाद बीज भंडार, मैसर्स अन्नदाता एग्रो एजेंसी, मैसर्स जेपी खाद बीज एजेंसी और जमींदारा कृषि सेवा सहकारी समिति के सात गोदामों के ताले तोड़कर तलाशी ली गई थी। जिन गोदामों में ये माल मिला है, उनके मालिकों पर भी प्रशासन कार्रवाई कर सकता है। इन गोदामों में ये सामान रखने की स्वीकृति प्रशासन से नहीं ली गई। किसी भी वस्तु के भंडारण के लिए स्थान बनाने से पहले स्वीकृति लेनी होती है। जिन फर्मों ने ये सामान रखा है, उन्होंने भी रिपोर्ट नहीं दी कि भंडारण किया गया है। ऐसे में भंडार मालिकों पर भी कार्रवाई हो सकती है। बड़ी मात्रा में बरामद किए गए कृषि सामान पर अब राज्य कर विभाग की नजर भी है। जो सामान अवैध रूप से भंडार किया गया है, उसकी खरीद हुई तो बिल है या नहीं? इसकी जांच हो सकती है। फिलहाल कर विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की है लेकिन जल्दी ही ये कार्रवाई हो सकती है।

पंजाब के राज्यपाल कटारिया को "संस्कृति रत्न" अलंकरण से नवाजा

- जनुभाई सामान्य व्यक्ति नहीं , शिक्षा जगत में क्रांतिकारी विचारों के वाहक थे : कटारिया
- संस्कृति और संस्कार ही जीवन के शाश्वत मूल्य : सारंगदेवोत

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय की ओर से सोमवार को प्रतापनगर स्थित आईटी सभागार में आयोजित एक गरिमामय समारोह में पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया को मनीषी पंडित जनार्दन राय नागर संस्कृति रत्न अलंकरण समर्पण से सम्मानित किया गया। कटारिया को ये अलंकरण उनके भारतीय जीवन मूल्यों, सांस्कृतिक - नैतिक दृढ़ता और सेवा कार्यों के प्रति समर्पण के लिए प्रदान किया गया।

सम्मान के तहत कटारिया को अशोक स्तम्भ, भारत माता स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं एक लाख रूपये की नकद राशि दी गई। कटारिया ने एक लाख रूपये की नकद राशि पुनः विद्यापीठ के विकास के लिए भेट कर दी। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि गुलाबचंद कटारिया, अध्यक्ष कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर, कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत, महावीर कोटा ओपन विवि के कुलपति प्रो. कैलाश सोडानी ने माॅ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजली एवं दीप प्रज्जवलित कर किया। कटारिया ने कहा कि जनुभाई का व्यक्तित्व आदर्शो की वो किताब है जो हर पीढ़ी का मार्गदर्शन करने का सामर्थ्य रखती है। संस्कार युक्त व्यक्तित्व निर्माण और साक्षर पीढ़ी को स्वरूप दे कर अंतिम को मुख्य धारा से जोड़ने का काम जनुभाई जीवन पर्यंत करते रहे। राष्ट्र भाव और असहाय की सहायता करके हम उनके विचारों को जीवंत बनाए रख सकते है। ये विचार बतौर मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने व्यक्त किए। कटारिया ने कहा कि पंडित जनार्दन राय नागर कोई सामान्य व्यक्ति नहीं थे, वे शिक्षा जगत में क्रांतिकारी विचारों के वाहक थे। उन्होंने शिक्षा को सेवा का माध्यम बनाया और समाज के वंचित वर्गों तक ज्ञान की रोशनी पहुंचाई।

कटारिया ने कहा जनुभाई वैचारिक विभिन्नताओं के बावजूद मूल्यों के प्रति सदैव तठस्थ रहे। उनका चरित्र गुरू से समर्पण , तपस्या को बताता है अध्यापक में निहित अपार क्षमताओं, संभावनाओं का द्योतक है। कटारिया ने कर्मों को परिष्कृत करके मानव जीवन को सार्थक बनाने का सभी से आह्वान किया। साथ ही उन्होंने संस्थान के आदर्शों को धेय बनाकर उसे आगे बढ़ाने के लिए कुलपति सारंगदेवोत को साधुवाद दिया।

कुलपति कर्नल प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत ने प्रशस्ति पत्र का वाचन करते हुए कहा कि संस्कृति, संस्कार जीवन के शाश्वत मूल्य है। हमारी संस्कृति में भौतिक और आध्यात्मिक का समावेश है । जो समाज के लिए उपयोगी और मार्गदर्शक के रूप में दृष्टिगोचर होती है। जनुभाई का दर्शन सामाजिकता, संस्कृति का समावेश है जो समावेशी होने के साथ नारी सशक्तिकरण ,वंचितों को आगे लाने के प्रयासों का प्रतिबिंब है।

अपने संबोधन में प्रो. सोडाणी ने कहा कि, गुलाबचंद कटारिया जैसे व्यक्तित्व का सम्मान हम सभी के लिए गौरव की बात है। वे एक शिक्षाविद, समाजसेवी और राजनीतिज्ञ के रूप में लंबे समय से समाज को दिशा प्रदान कर रहे हैं। यह अलंकरण वास्तव में उनके सेवा भाव और निष्ठा को नमन है। कुलाधिपति गुर्जर ने कहा कि राजस्थान का यह सौभाग्य है कि गुलाबचंद कटारिया जैसे व्यक्तित्व को संस्कृति रत्न अलंकरण प्रदान कर उसे गौरवान्वित किया गया है। यह सम्मान विद्यापीठ के संस्थापक पं. जनार्दन राय नागर जी की परंपरा और मूल्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास है।

समारोह में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रविन्द्र श्रीमाली, भाजपा नेता एवं समाजसेवी अतुल चण्डालिया, प्रो. रेणु राठौड, प्रो. सरोज गर्ग, प्रो. जीवन सिंह खरकवाल, डॉ. कला मुणेत, डॉ. पारस जैन, डॉ. युवराज सिंह राठौड, प्रो. आईजे माथुर, डॉ. हेमेन्द्र चौधरी, डॉ. धमेन्द्र राजौरा, डॉ. शैलेन्द्र मेहता, प्रो. गजेन्द्र माथुर, प्रो. मंजु मांडोत, डॉ. सपना श्रीमाली, डॉ. अमी राठौड सहित विद्यापीठ के डीन, डायरेक्टर व शहर के गणमान्य नागरिकों ने शिरकत की।

पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया को मनीषी पंडित जनार्दन राय नागर संस्कृति रत्न अलंकरण से सम्मानित करते कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर, प्रो. एस.एस.सारंदेवोत, कुलपति प्रो.कैलाश सोडानी।

टक्कर मारी , परिवार गंभीर रूप से घायल

उदयपुर, (कासं)। बाईक पर अपनी पत्नी और बच्चे के साथ जा रहे एक युवक को बाईक सवार दो युवकों ने लूट की नीयत से टक्कर मारकर नीचे गिरा दिया, जिससे यह परिवार गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बाबूलाल पुत्र कल्लाजी मीणा निवासी चणावदा भैरव फलां गिर्वा ने रिपोर्ट दी कि 14 मई को दोपहर 2 बजे चणावदा से ऋषभदेव की तरफ मेरी पत्नी सोयता मीणा एवं पुत्र हर्ष सहित बाईक पर सवार होकर जा रहे थे। तभी पीपली बी पुरानी स्कूल के सामने ऋषभदेव पर अचानक दो व्यक्ति बाईक लेकर मेरा लगातार पीछा कर रहे थे, उसके बाद दोनों आरोपियों उसकी बाईक के पास लहारते हुए आए और प्रार्थी की बाईक को जानबूझकर टक्कर मार दी। टक्कर से प्रार्थी, मेरी पत्री व मेरा पुत्र बाईक से नीचे गिर पडे। इन व्यक्तियों ने प्रार्थी के साथ लूट करने की नीयत से नीचे गिराया, जिससे प्रार्थी, मेरी पत्नी व पुत्र के सिर में गहरी चोट लगी, जिससे मेरी पत्नी व पुत्र बेहोश हो गए। प्रार्थी के भी हाथ व पैर पर गंभीर चोट आई, जैसे तैसे में वह उठा तो इन दोनों ने चाकू निकालकर प्रार्थी के साथ लूट के लिए उसकी ओर आने लगे। यह देखकर वहां पर रहने वाले गांववासी आ गए। मौके पर आए बाबूलाल पुत्र हाजा निवासी पीपली ए ऋषभदेव, चुन्नीलाल पुत्र नारायण निवासी चणावदा एवं सात-आठ लोगों ने दोनों को पकड लिया और उन दोनों से चाकू छिन लिया। उसके बाद उन्होंने पुलिस को फोन किया, जिससे थाने से जाब्ता आया और दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

सार-समाचार

मारपीट कर रीढ की हड्डी तोड़ी

उदयपुर, (कासं)। बाईक की चाबी देने से मना करने पर दो युवकों ने एक युवक के साथ लट्ठ से मारपीट कर रीढ की हड्डी तोड दी।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सविता पत्नी हगराम कानुबडा निवासी बिलखाईबडा ऋषभदेव ने रिपोर्ट दी कि 18 जून को मेरा पुत्र मेरे घर पर था कि तभी उसके दोस्त राजेश, महेश मेरे घर पर आये और मेरे पुत्र से बाईक की चाबी देने के लिए कहने पर मेरे पुत्र ने इन्हे कहा कि तुम दोनो रोज मेरी बाईक ले जाते हो लेकिन पैट्रोल नहीं भराते हो जिससे राजेश व महेश मेरे पुत्र से नाराज हो गये और मेरे घर से मेरे पुत्र राजेश को धमकाते हुए गए कि थोडी देर रुक तुझे देखते है। करीब 15-2० मिनिट बाद ये दोनो अपने हाथ में लट् लेकर मेरे घर में घुस आये और आते ही मेरे पुत्र पर लाठियों का वार किया जिसे वह नीचे गिर गया व उसके बाद इन दोनो ने मेरे पुत्र पर ताबड तोड लट्ठ से वार किए। पुत्र के चिल्लाने की आवाज सुनकर मैं दूसरे कमरे से आई और अपने पुत्र का बीच बचाव करने लगे तो उन्होने मुझे भी धक्का दिया, जिससे मैं नीचे गिर गई।

मारपीट करने वाला प्रेमी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। गोवर्धनविलास पुलिस ने लिव इन में रह रही एक युवती से शराब के पैसों के लिए जमकर मारपीट करने और चाकू से हमला कर घायल करने में उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार शकुंतला पुत्री शंकरलाल सालवी निवासी बारापाल हाल ओम बन्ना के पास गोवर्धन विलास ने 16 मई को रिपोर्ट दी कि वह लीव इन रिलेशनशिप मे गत 6 वर्षा से कैलाश पुत्र शंकर लाल मेघवाल के साथ बलीचा स्थित मकान में निवास कर रही है। कैलाश मेघवाल आए दिन शराब के नशे में धुत होकर गाली गलौच करता है और शराब के पैसा मांगकर प्रताडित करता है। नहीं देने पर जाने से मारने की धमकी देता हैं। मेरे चाय नाश्ते का ठेला है जिससे मै जैसे-तैसे अपना भरण पोषण कर रही हूँ, जिससे मेरी रोज की आय 300 से 500 रूपए है, जिसे भी कैलाश उससे जबरन शराब के पीने के लिए ले लिए जाते है। नहीं देने पर कैलाश प्रार्थीया के साथ मारपीट करते है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA), जयपुर (राज.) के पत्र क्रमांक RJ/24/SEAC-4(06)/MIN/R.EC/1762 एवं पर्यावरण स्वीकृति पहचान संख्या EC25C0108RJ55247630N दि. 3.3.2025 के द्वारा श्री गोपाल साहू को नि. ग्रा. सवीना, तहसील गिर्वा, उदयपुर में स्थित खनन पट्टा M L No. 75/2010 क्षेत्र 1.00 हेक्टेयर वास्ते खनिज मेसेनरी स्टोन के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति SEIAA, जयपुर एवं राज. राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, उदयपुर के कार्यालय में जनसाधारण के लिए उपलब्ध है एवं मण्डल की वेबसाइट www.environmentclearance.nic.in एवं https://parivesh.nic.in पर देखी जा सकती है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA), जयपुर (राज.) के पत्र क्रमांक RJ/24/SEAC-4(06)/MIN/R.EC/1760 एवं पर्यावरण स्वीकृति पहचान संख्या EC25C0108RJ5315955N दि. 3.3.2025 के द्वारा मेसर्स चारभुजा कंस्ट्रक्शन को नि. ग्रा. सवीना, तहसील गिर्वा, उदयपुर में स्थित खनन पट्टा M L No. 77/2010 क्षेत्र 1.00 हेक्टेयर वास्ते खनिज मेसेनरी स्टोन के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति SEIAA, जयपुर एवं राज. राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, उदयपुर के कार्यालय में जनसाधारण के लिए उपलब्ध है एवं मण्डल की वेबसाइट www.environmentclearance.nic.in एवं https://parivesh.nic.in पर देखी जा सकती है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA), जयपुर (राज.) के पत्र क्रमांक RJ/24/SEAC-4(06)/MIN/R.EC/0003 एवं पर्यावरण स्वीकृति पहचान संख्या EC24C0108RJ5417379N दि. 04.1.2025 के द्वारा मेसर्स चारभुजा मिनरलस एंड क्रशिंग प्लांट को नि. ग्रा. उमरडा, तहसील गिरवा, उदयपुर में स्थित खनन पट्टा M L No. 93/2007 क्षेत्र 1.00 हेक्टेयर वास्ते खनिज मेसेनरी स्टोन के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति SEIAA, जयपुर एवं राज. राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, उदयपुर के कार्यालय में जनसाधारण के लिए उपलब्ध है एवं मण्डल की वेबसाइट www.environmentclearance.nic.in एवं https://parivesh.nic.in पर देखी जा सकती है।

ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर पंचायत समिति के चारगदिया पंचायत के निमड़ी गांव में ग्रामीणों ने सोमवार को भीण्डर उपखण्ड अधिकारी व भीण्डर पंचायत समिति के विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंप करके मनरेगा योजना में अनियमितता को लेकर मेट को ब्लेक लिस्टेड व मस्टरोल की जांच की मांग रखी।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि ग्राम पंचायत चारगदिया के राजस्व गांव नीमडी के ग्रामीणों की मांग हैं कि नीमडी गांव में वर्तमान व पूर्व मेट जो मस्टरोल चला रहे व गरीबों का शोषण करके राजकीय पैसों का दुरपयोग करते हुए मनरेगा भ्रष्टाचार, एनएमएमएस नरेगा में फर्जी ऑनलाइन हाजरी भरी जा रही है। नरेगा मेट आईडी खुशबू चौबीसा की बनी हुई हैं व पूर्व मेट परसराम चौबीसा उसके मोबाईल में आईडी व पासवर्ड लेकर चला रहा है। यह सब पंचायत समिति नरेगा कार्यालय की मिलीभगत व फर्जीवाड़ें से हो रहा है। मस्टारोल में नाम किसी और का हाजिरी में फोटो किसी और का ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि एक जनवरी 2025 को एमएसआर मस्टरोल नंबर 4023 में जो फोटो अपलोड किये गये है ऑन लाईन व अन्य महिला को खड़ा करके दर्शाया गया है वह फर्जीवाडा है। इसी तरह नंबर 4021 में में सुबह व अपरान्ह दोनो फोटो में एक महिला जो कि बाहर काम कर रही है उसकी फर्जी हाजरी भरी जा रही है। मस्टरोल नंबर 4022 जो ऑन लाईन हाजरी भर रखी है वह महिला न होकर अन्य महिला है। मस्टरोल संख्या 4024 में फोटो सुबह व अपरान्ह अलग अलग फोटो अपलोड कर रखे है जिनका नाम मस्टरोल में है वो तो फोटो में है ही नहीं।

जॉबकार्ड नंबर 300-141 व गोलाकर जो महिला दिखा रखी है वह फर्जी नाम चल रहा है। जॉबकार्ड नंबर 300-151 गोलाकर जो महिला दिखा रखी है वह फर्जी नाम चल रहा है। जॉबकार्ड नंबर 300-198 जो महिला का नाम वह महिला बाहर निवास करती है तथा नरेगा में इसकी प्रत्येक दिन ऑनलाईन फर्जी हाजरी भरी जा रही है। जॉबकार्ड नंबर 300-105 जो महिला का नाम वह महिला वहा है ही नही व फर्जी हाजरी भर रखी है।

पेंशनर समाज ने भेजा ज्ञापन

कपासन, (निसं)। राजस्थान पेंशनर समाज की कपासन शाखा ने केंद्र सरकार के नए विधेयक का विरोध किया है। समाज ने प्रधानमंत्री को तहसीलदार मोहम्मद नासिर बेग मिर्जा के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। नए विधेयक के तहत केंद्र सरकार को पूर्व और वर्तमान पेंशनरों में भेदभाव करने का अधिकार मिल गया है। पेंशनर समाज का कहना है कि ये सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का उल्लंघन है। साथ ही यह सातवें वेतन आयोग द्वारा स्थापित समानता को भी समाप्त करता है। ज्ञापन में सुप्रीम कोर्ट के 1980 के डीएस नाकरा बनाम यूनियन ऑफ इंडिया मामले का उल्लेख किया गया। इस मामले में कोर्ट ने कहा था कि पेंशन सामाजिक न्याय का माध्यम है। ये उन लोगों के लिए है जिन्होंने अपना जीवन देश सेवा में लगाया।पेंशनर समाज ने सवाल उठाया है कि क्या महंगाई और रुपए की गिरावट का प्रभाव केवल एक निश्चित तिथि के बाद रिटायर हुए लोगों पर ही पडता है। समाज का कहना है।

रसायन विज्ञान में नवाचार : हरित संश्लेषण और औषधि डिजाइन सेमिनार का आगाज

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान विद्यापीठ विवि एवं भूपाल नोबल्स विवि के संघटक विज्ञान संकाय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रसायन विभाग की ओर से सोमवार को प्रतापनगर स्थित आईटी सभागार में रसायन विज्ञान में नवाचार हरित संश्लेषण और औषधि डिजाइन विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमीनार को शुभारंभ कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत, भूपाल नोबल्स संस्थान के मंत्री प्रो. महेन्द्र सिंह आगरिया, प्रबंध निदेशक डॉ. मोहब्बत सिंह रूपाखेडी, संयुक्त मंत्री राजेन्द्र सिंह ताणा, रोटम एग्रोकेमिकल हांगकांग के पूर्व निदेशक डॉ. सतीश चंद्र तिवारी, डीन प्रो. रेणु राठौड ने किया।

प्रो. रेणु राठौड ने अतिथियों का स्वागत करते हुए दो दिवसीय सेमीनार की जानकारी दी। प्रो. एस.एस सारंगदेवोत ने भारतीय ज्ञान परंपरा में वर्णित रसायनों के उपयोग के प्रकारों और तरीके ही आधुनिक ग्रीन रसायन है जिसमें प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता समाहित है। उन्होने वेदों एवं ऋषि परंपरा के अनुसार प्रकृति के साथ आत्मिक संबंध स्थापित करके रसायनों के द्वारा पर्यावरण को होने वाले दुष्प्रभावों को रोका जा सकता है। उन्होने जैव उर्जा के उपयोग और कृषि में प्रकृति आधारित नवाचारों के उपयोग से उर्जा खपत कम करने, पारिस्थितिकी तंत्र व जीवन चक्र को व्यवस्थित करने में हरित रसायन की महत्ता को भी रेखांकित किया। मुख्य वक्ता प्रो. तिवारी ने राजस्थान में पाए जाने वाले खनिजों में दवाओं की संभावना,शोध,अनुसंधान और नवाचारों पर ध्यान केंद्रित करके पर्यावरण हितैषी बनाने पर जोर दिया। प्रो. सोडानी ने स्वदेशी और मातृभाषा के प्रयोग पर विचार रखे। कुलप्रमुख एवं कुलाधिपति बीएल गुर्जर ने अनुसंधान और शोध में परंपरागत ज्ञान के उपयोग पर जोर देने की बात कही। संगोष्ठी में डॉ. युवराज सिंह राठौड, नवल सिंह जूड,डॉ. गिरधरपाल सिंह, प्रो. शिव सिंह दुलावत , डॉ सपना श्रीमाली, डॉ. मंगल दुलावत, डॉ भावेश जोशी, डॉ. उत्तम शर्मा, डॉ योगिता श्रीमाली, डॉ. पूजा जोशी आदि मौजूद रहे।

रसायन विज्ञान में नवाचार : हरित संश्लेषण और औषधि डिजाइन सेमिनार में मंचासीन अतिथिगण।

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

क्रमांकः F.12( )/Sales/Allot/2025-26/207 **आम-सूचना** दिनांकः- 3/6/2025

आवेदनकर्ता द्वारा अंकित भूखण्ड का वारिसान/हक त्याग/मुक्ति विलेख/परित्याग पत्र/वसियत नामा के आधार पर नामान्तरण जारी किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया हैः-

क्र. सं.	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल (वर्गफीट)	योजना का नाम/ब्लॉक	आवेदक का नाम/ पिता का नाम	नाम
1.	आवासीय भूखण्ड संख्या 6 MUT/ 759	100 Square Feet	HIRAN MAGRI SECTOR 12	श्री मोहम्मद इब्राहिम पिता श्री अहमद बक्ष	श्री मोहम्मद अंसार द्वारा उक्त भूखण्ड जरियें रजिस्टर्ड दान-पत्र दिनांक 06-04-2018 से आवेदनकर्ता को दिये जाने से इनके द्वारा संबंधित दस्तावेजात / शपथ पत्र प्रस्तुत कर उक्त दूकान का अपने नाम पर नामान्तरण किये जाने हेतु निवेदन किया गया हैं।

अतः उपरोक्तानुसार उक्त भूखण्ड का वारिसान / हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण जारी करने के संबंध में यदि किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति हो तो वो अपनी आपत्ति मय आधारो सहित इस सार्वजनिक सूचना पत्र के प्रकाशन से 10 दिवस की अवधि में इस कार्यालय में संबंधित शाखा के लिपिक को प्रस्तुत करावें। अन्यथा बाद गुजरने मयाद आवेदक के नाम पर उक्त भूखण्ड का नामान्तरण जारी किये जाने हेतु अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

(बिन्दु बाला) प्रभारी अधिकारी, बिक्री शाखा
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर

एक गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के सवीना थाना पुलिस ने विवाहिता को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार प्रार्थी द्वारा रिपोर्ट पेश की गई कि 19जून को प्रार्थी की पत्नी ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। मेरे पुत्र ने बताया कि शाम 6 बजे के लगभग एक अल्टो कार जो सिल्वर कलर की थी जिसम शक्ति सिंह पिता मनोहर सिंह निवासी अखेपुर जिला सलूम्बर आया और मेरे मकान के पास आकर वाहन का हॉर्न बजाने लगा व मेरी पत्नी को फोन कर मिलने के लिए बुलाने लगा।

पेंशनरों ने नए वित्त विधेयक के विरोध में प्रदर्शन किया

डूंगरपुर, (निसं)। केंद्र सरकार की ओर से पेंशनरों के लिए लागू किए नए वित्त विधेयक के विरोध में सोमवार को पेंशनरों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। पेंशनरो ने इस विधेयक को पेंशनर्स के साथ कुठाराघात बताया। वही विधेयक को वापस लेने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

राजस्थान पेंशनर समाज के बैनर तले जिलेभर के पेंशनर्स सोमवार को कलेक्ट्रेट पर एकत्रित हुए। पेंशनर्स को लेकर केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमों और भारत की सचित निधि से पेंशन देनदारियों पर व्यय के सिद्धान्तों के वैद्य करण से संबंधित विधेयक का विरोध किया। पेंशनर समाज के जिलाध्यक्ष दिनेश श्रीमाल ने बताया कि पेंशनरों के लिए बनाया गया नया कानून लागू होने के बाद केन्द्र सरकार को पूर्व पेंशनरों और वर्तमान पेंशनरों में विभेद करने का अधिकार भी प्राप्त हो गया है। श्रीमाल ने बताया कि नए विधेयक के अनुसार दिसंबर 2025 तक सेवानिवृत हुए कर्मचारियों को 8 वें वेतन आयोग का लाभ नहीं मिलेगा। वहीं,जनवरी 2026 से सेवानिवृत होने वाले कार्मिकों को ही 8 वें वेतन आयोग लाभ मिलेगा। जिससे पुराने पेंशनरों के साथ अन्याय होगा।

श्रीमाल ने कहा कि केंद्र सरकार नया कानून वापस नहीं लेती है तो पेंशनर समाज अपना आंदोलन तेज करेगा।

बैठक 26 जून को

उदयपुर, (कासं)। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक जिला कलेक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में 26 जून को प्रातः 10.30 बजे जिला परिषद सभागार में आयोजित होगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने सभी विभागीय जिला स्तरीय अधिकारी, खण्ड चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी प्रभारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी अधिकारी एवं खण्ड कार्यक्रम अधिकारी को एजेण्डा अनुसार समस्त सूचनाओं के साथ बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

प्रारूप-10 (नियम-6 (7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद,राजसमन्द

सं. 98-99 **लोक-सूचना** दिनांक: 23/06/2025

मैसर्स संस्कार प्रॉपर्टीज उदयपुर प्रोपराईटर श्री बंकेश सोनी पिता श्री राजमल सोनी निवासी 163, जेठियो की बाडी अम्बामाता स्कीम उदयपुर तहसील गिर्वा जिला उदयपुर द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.स.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1	राजसमन्द	कांकरोली	238/4	रकबा 0.0243 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 23/6/25 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर परिषद, राजसमन्द

कार्यालय नगर पालिका नाथद्वारा जिला- राजसमन्द (राज.)

Email:-np_ntd@yahoo.in Phone-02953-233526

क्रमांक/न.पा.नाथ/नामा./2025/7461 दिनांक : 12/06/2025

-:आपत्ती सूचना:-

एतर्थ द्वारासर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर भूखण्डों का नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोईआपत्ती हो तो सात दिवस (कार्य दिवस) में नगर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पडौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1	श्री पावन भाटिया पिताश्री चन्द्र प्रकाश भाटिया निवासी -मोहनगढ़ नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या -14 क्षेत्रफल-2226 आवासीय कॉलोनी, बिच्छु मंगरी बांध रोड़ ,नाथद्वारा	30 फिट रोड	अन्य कृषि भूमि	भूखण्ड संख्या-15	अन्य कृषि भूमि

आयुक्त, नगर पालिका नाथद्वारा

ट्राईबल केयर सेवा संस्थान ने प्रतिभाओं का किया सम्मान

बांसवाड़ा, (निसं)। ट्राईबल केयर सेवा संस्थान की ओर से टीएडी सभागार में जिला स्तरीय आदिवासी प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें कक्षा 10वी में 80 प्रतिषत से अधिक अंक लाने वाली 90 प्रतिभाएं, कक्षा 12 की 87, नीट-2025 की 320 से अधिक अंक अर्जित करने वाली 46 और जेईई एडवांस की 7 प्रतिभाओ सहित अतिरिक्त विशेष उपलब्धियां अर्जित करने वाली और अन्य गतिविधियों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 12 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। स्वागत उद्बोधन देते हुए विनोद निनामा ने संस्थान के कार्यो पर प्रकाश डाला।

डॉ दीपक निनामा ने चिकित्सा क्षेत्र में करियर, चुनौतियां और समाधान पर चर्चा की। राजहंस कॉलेज दिल्ली के प्रो. डॉ गणेश लाल कटारा ने उच्च शिक्षा, केन्द्र की रिक्तियों के लिए तैयारी करने का आह्वान किया। सीबीईओ सज्जनगढ़ रूपजी बारिया ने लक्ष्य के प्रति समर्पित, परिश्रम करते रहने, प्रमोद ताबियार ने अपने मुकाम को हासिल कर पे बेक का सोसायटी पर कार्य करते रहने का संदेश दिया। अति. जिला शिक्षाधिकारी दलसिंह आमलियार ने समाज हित में व्यक्तिगत हित, कार्यो को छोड़ कर संगठित रहने पर बल दिया। अति ब्लॉक विकास अधिकारी राकेश निनामा ने समाज की आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाओं की सदैव सहायता करते रहने के लिये प्रेरित किया। मुख्य अतिथि प्राचार्य कल्याणमल सिंघाड़ा ने समाज ऋण को उतारने के लिए किसी भी रूप में समाज उत्थान में अपना योगदान देने पर चर्चा की। अध्यक्षीय उद्बोधन में सेवानिवृत संयुक्त निदेशक मावजी खांट ने अभिभावकों को अपनी ईच्छा बच्चों पर ना थोपकर माता-पिता और बच्चे के मध्य सतत् सकारात्मक संवाद बढ़ाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ ममता डामोर,सहायक लेखाधिकारी अभिषेक गोदा, बीआईएचएम संस्थान प्रमुख डॉ प्रियंका कटारा ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में भामाशाहो, अतिथियों व आयोजन समिति के सदस्यों को संत गोविंद गुरु की तस्वीर भेंट कर अभिनंदन किया गया। संचालन राकेश पटेल एवं कैलाश चरपोटा ने किया जबकि आभार कैलाश पारगी ने माना। कार्यक्रम में समाजसेवी वालजी अड़, प्रभुलाल बुझ, विमल गरासिया, कन्हैयालाल मकवाना, दिनेश मकवाना, हितेश सोलंकी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक और कर्मचारी मौजूद हे।

ट्राईबल केयर सेवा संस्थान की ओर से टीएडी सभागार में आयोजित जिला स्तरीय आदिवासी प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रतिभाओं को सम्मानित करते अतिथि।

मुखर्जी की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की

राजसमंद, (निसं)। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर सोमवार को जिला मुख्यालय पर भाजपा पदाधिकारियों ने कांकरोली स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जनसंघ से लेकर संगठन में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है उनके सिद्धान उनके विचार उनकी कार्यशैली उनकी सरलता संगठन के प्रति उनकी निष्ठा ये सभी गुण हम सभी को सीखने की आवश्यकता है, उनके द्वारा की गई मेहनत आज हम सभी के सामने है। आज हम सभी उनकी पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित करके इन सभी गुणों को अपने जीवन मे समावेश करे इसी कामना से आज हम घर जाए। जिला मीडिया संयोजक अरविंद सिंह भाटी ने बताया कि इस दौरान जिला प्रमुख रतनीदेवी चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष मानसिंह बारहठ, पूर्व विधायक बंशीलाल खटीक, पूर्व चेयरमैन महेश पालीवाल अशोक रांका, पूर्व प्रधान भानु पालीवाल, कार्यक्रम संयोजक हिम्मत कुमावत, माधव चौधरी, जवाहरलाल जाट, महेंद्रसिंह चौहान, मनोज पारीक, गोपालकृष्ण पालीवाल, सविता सनाढ्य, वर्द्धनी पुरोहित, विशाखा तिवारी, मोहन कुमावत, खुशकमल कुमावत, मुरारी आशिया, नर्बदा शंकर पालीवाल, भरत पालीवाल, गिरीराज सोनी, पूजा बंग, ओम पारीक, प्रकाश रांका, सोना सिंह, रजनीकांत साहू, आशीष पालीवाल, प्रदीप खत्री, ललित खींची, प्रमोद सेन, चंपालाल कुमावत, देशबंधु रांका, हिम्मत मेहता, लक्ष्मण मौर्य सहित भाजपा पदाधिकारी उपस्थित थे।

राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष एवं स्वतंत्र भारत में राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रमुख प्रवर्तक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर पुण्य स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से धारा 37० का हटाया जाना, डॉ मुखर्जी के राष्ट्रहित में दिए गए बलिदान के प्रति आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की सच्ची कृतज्ञता है। विधायक माहेश्वरी ने कहा कि डॉ मुखर्जी भारतीय एकता के सच्चे सूत्रधार थे। उन्होंने अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया और देशहित के लिए सत्ता को भी त्याग दिया। जम्मू-कश्मीर में एक देश, एक विधान, एक निशान की मांग को लेकर वे कटिबद्ध रहे और इस उद्देश्य के लिए उन्होंने अपने प्राणों का भी बलिदान दे दिया। डॉ मुखर्जी का जीवन हमें निष्ठा, संकल्प और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है

प्रारूप-10 (नियम-6 (7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद,राजसमन्द

सं. 2645 **लोक-सूचना** दिनांक: 23/06/2025

01श्री अखिलेश पिता श्री भंवरलाल जी जाति गुप्ता, (महाजन) आयु-वयस्क, निवासी:- कांकरोली तहसील राजसमंद जिला राजसमंद राज. जरिये आवासीय भू रूपान्तरण-पट्टा संख्या 233/93 से पट्टाधारी व वर्तमान खातेदार 02 श्री ओम प्रकाश पिता श्री मथुरालाल जी जाति लखारा,आयु-51 वर्ष, निवासी:- कांकरोली तहसील राजसमंद जिला राजसमंद राज.आधार संख्या:-5406.2870.8432, पेनकार्ड नं.:-AAHPL5152H , 03 श्री कृष्ण कुमार उर्फ किशन कुमार पिता श्री प्रहलाद राय जी जाति अग्रवाल आयु-67 वर्ष निवासी:-नजरवाडी, नया बाजार कांकरोली तहसील राजसमंद जिला राजसमंद राज.आधार संख्या:-8862.7906.5151पेनकार्ड नं.:-ABXPA2936P, 04 श्री चन्द्र प्रकाश पिता श्री मथुरालाल जी जाति लखारा आयु-54 वर्ष , निवासी:- कांकरोली तहसील राजसमंद जिला राजसमंद राज. आधार संख्या:-2603.3280.2576 पेनकार्ड नं. :-AAHPL5058F, 05 श्री पुरूषोत्तम लाल पिता श्री अम्बालाल जी जाति लखारा, आयु-71 वर्ष निवासी:- कांकरोली, तहसील राजसमंद जिला राजसमंद राज. आधार संख्या:-6028.4074.5349 पेनकार्ड नं. :-AAHPL5130D, 06.श्री युगल किशोर पिता श्री बसन्ती लाल जी जाति देवपुरा, आयु-54 वर्ष, निवासी:-श्री नाथ सदन श्री जी विहार 100 फीट रोड कांकरोली तहसील राजसमंद जिला राजसमंद राज.आधार संख्या:-5492.2051.4993, पेनकार्ड नं. :- AAUPD8516A,07 श्री राजेन्द्र प्रसाद उर्फ राजकुमार पिता श्री गोविन्द जी जाति सुनार आयु-वयस्क , निवासी:- कांकरोली तहसील राजसमंद जिला राजसमंद राज. जरिये विक्रय पत्र दिनांक 03.02.2006 को वाणिज्यिक भू रूपान्तरण -से पट्टाधारी श्री युगल किशोर पिता श्री बसन्ती लाल जी जाति देवपुरा, आयु-54 वर्ष, निवासी:-श्री नाथ सदन श्री जी विहार 100 फीट रोड कांकरोली तहसील राजसमंद जिला राजसमंद राज.आधार संख्या:-5492.2051.4993, पेनकार्ड नं.:- AAUPD8516A,08 श्री रोहित पिता श्री महेश चन्द्र जी जाति गुप्ता ,आयु-वयस्क , निवासी:- कांकरोली तहसील राजसमंद जिला राजसमंद राज. जरिये आवासीय भू रूपान्तरण-पट्टा संख्या 233/93 से पट्टाधारी व वर्तमान खातेदार द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.स.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1	राजसमन्द	धोईन्दा	4034/416	रकबा 0.0755 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 23/6/25 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त
नगर परिषद, राजसमन्द

मैने अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कह दिया है। हालांकि, मैं घरेलू और लीग मैच खेलता रहूंगा।

- ललित कुमार उपाध्याय

भारतीय हॉकी खिलाड़ी, अपने संन्यास के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह ओस्ट्रावा में मंगलवारको हने वाली गोल्ड स्पाइक एथलेटिक्स मीट को लेकर काफी उत्साहित हैं। दरअसल, नीरज इस साल अपने अंतिम लक्ष्य टोक्यो में वर्ल्ड चैंपियनशिप में टॉप स्थान हासिल करने के लिए तैयारी कर रहे हैं। नीरज ने पिछले हफ्ते 88.16 मीटर थ्रो के साथ जूलियन वेबर को हराकर पेरिस डायमंड लीग जीती थी। दो बार के ओलंपिक मेडलिस्ट ने कहा कि चेक गणराज्य के महान खिलाड़ी जान जेलेजनी के साथ उनके कोच और उनकी दृढ़ संकल्प शक्ति के कारण उन्हें अच्छे नतीजों का भरोसा है।

क्या आप जानते हैं ?... टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज फिफ्टी जड़ने का रिकॉर्ड नेपाल केदीपेंद्र सिंह ऐरीके नाम दर्ज है। भारत की ओर से इस फॉर्मेट में सबसे कम गेंदों में फिफ्टी पूरी करने वाले प्लेयर युवराज सिंह हैं।

आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब जीती

जयपुर, 23 जून। अंडर - 16 अरावली कप में आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 203 रन 7 विकेट के नुकसान पर बनाए। सुमित शर्मा ने सर्वाधिक 126 रनों का योगदान दिया! बालाजी क्रिकेट अकादमी की ओर से विशाल चौधरी ने चार विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बालाजी क्रिकेट अकादमी 31 ओवर में 116 रन पर ऑल आउट हो गए। श्रेयांश ने सर्वाधिक 51 रनों का योगदान दिया। आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्लब की ओर से नक्ष ने तीन और कान्हा ने दो विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच सुमित शर्मा को चुना गया।

पृथ्वी शॉ ने अन्य राज्य से खेलने की एमसीए से मांगी अनुमति

मुम्बई, 23 जून। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) को एक पत्र लिखकर आगामी घरेलू सत्र किसी अन्य राज्य की ओर से खेलने की अनुमति मांगी है। शॉ ने अपने पत्र में लिखा, मैं इस अवसर पर मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) का दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे प्रतिनिधित्व करने का अवसर और समर्थन दिया। एमसीए सेटअप का हिस्सा होना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात रही है और यहां मुझे जो अनुभव और मंच मिला उसके लिए मैं बेहद आभारी हूं। मेरे करियर के इस मोड़ पर मुझे एक अन्य राज्य से पेशेवर क्रिकेट खेलने का एक शानदार अवसर मिला है, मुझे लगता है कि यह अवसर एक क्रिकेटर के रूप में मेरे विकास और प्रगति में सहायक होगा। उन्होंने पत्र में यह भी लिखा, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि मुझे अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करें, ताकि मैं आधिकारिक रूप से आगामी घरेलू सत्र में नए राज्य के लिए खेल सकूं। उन्होंने कहा कि मैंने विचार-विमर्श और एमसीए के प्रति पूरे सम्मान के साथ यह निर्णय लिया है। वह इस संघ द्वारा वर्षों से दिए गए मार्गदर्शन और मंच के लिए हमेशा आभारी रहेंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत की बढ़त 370 रन

इंग्लैंड के खिलाफ ऋषभ पंत ने सेंचुरी ठोक कर रचा इतिहास, ऐसा करने वाले पहले भारतीय बने

लीड्स, 23 जून। भारत ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रन का टारगेट दिया है। जवाब में इंग्लैंड ने दूसरी पारी में बिना नुकसान के 13 रन बना लिए हैं। टीम जीत से 358 रन दूर हैं। जैक क्रॉली और बेन डकेट क्रीज पर हैं।

लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार को 90/2 के स्कोर से खेलना शुरू किया था। केएल राहुल (137 रन) और ऋषभ पंत (118 रन) ने चौथे विकेट के लिए 195 रनों की साझेदारी करके 300 पार पहुंचा दिया। लेकिन इस साझेदारी के टूटते ही पूरी भारतीय टीम 365 रन पर पवेलियन लौटे गई। टीम ने आखिरी 5 विकेट 31 रन बनाने में गंवा दिए। शार्दूल ठाकुर (4 रन), मोहम्मद सिराज (शून्य) और जसप्रीत बुमराह (शून्य) 349 के स्कोर पर आउट हुए। इंग्लैंड से ब्रायडन कार्स और जोश टंग ने 3-3 विकेट झटके। शोएब बशीर को 2, क्रिस वोक्स और बेन स्टोक्स को एक-एक विकेट मिला। पहली पारी में इंग्लैंड 465 और भारत 471 रन पर ऑलआउट हो गई थी। भारत को पहली पारी में 6 रन की बढ़त मिली थी।

टीम इंडिया के उपकप्तान ऋषभ पंत का बल्ला जमकर गरज रहा है। उन्होंने एक के बाद एक करके दोनों पारियों में शतक जड़कर इतिहास रच दिया है। पंत टेस्ट इतिहास में ऐसे पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने एक मैच की दोनों पारियों में सेंचुरी लगाई हो। वो पहले ही रेड-बॉल फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय विकेटकीपर बन चुके हैं। पंत ने पहली पारी में 134 रन बनाए तो दूसरी पारी में वह 120 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया है।भारतीय टीम ने अपना पहला ऑफि शियल टेस्ट मैच साल 1932 में खेला था। अब तक 93 साल के भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में कोई भी विकेटकीपर बल्लेबाज टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक नहीं लगा पाया है। अब पंत ऐसा करने वाले एकमात्र भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। पंत ऐसे पहले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं जिन्होंने इंग्लैंड में खेलते हुए किसी टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया है। बता दें कि, पंत ऐसे कुल सातवें भारतीय बल्लेबाज हैं जिन्होंने एक टेस्ट मैच की दो पारियं में शतक ठोका है। सुनील गावस्कर ने 3 बार ऐसा किया है जबकि राहुल द्रविड़ ने 2 बार, विजय हजारे, रोहित शर्मा, विराट कोहली, अंजिक्य रहाणे भी एक-एक बार ऐसा कर चुके हैं। अब इन दिग्गजों में पंत का नाम भी शामिल हो गया है।

केएल राहुल ने सलामी बल्लेबाज के रूप में जड़ा अपना छठा शतक

लीड्स, 23 जून। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने सोमवार को हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ शतक बनाने के साथ भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। उन्होंने एशिया के बाहर बतौर सलामी बल्लेबाज अपना छठा टेस्ट शतक लगाया। वह यह कारनामा करने महान सुनील गावस्कर के बाद दूसरे बल्लेबाज है।

राहुल ने अपने खास अंदाज में शतक लगाया। उन्होंने कवर ड्राइव के जरिए अपना शतक पूरा किया। यह शॉट इतना सटीक और प्रभावशाली था कि स्वीपर कवर खिलाडी के पास भी कोई मौका नहीं था। भारतीय ओपनर ने जश्न मनाते हुए दूसरा रन लिया। उन्होंने ड्रेसिंग रूम का अभिवादन किया और मैदान में तालियां गूंज उठीं।

केएल राहुल अब एशिया के बाहर किसी भारतीय सलामी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए दूसरे सबसे ज्यादा टेस्ट शतक (छह) बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वह सुनील गावस्कर (15) से पीछे हैं और वीरेंद्र सहवाग (चार) से आगे हैं। केएल राहुल के टेस्ट करियर का यह नौवां शतक है। यह इंग्लैंड में उनका तीसरा टेस्ट शतक है। इससे पहले उन्होंने 2018 में ओवल में149 रन और लॉर्ड्स में 2021 में 129 रन बनाये थे।

इशान किशन ने इंग्लैंड में मचाया तूफान, डेब्यू मैच में जड़े 12 चौके और 1 छक्का

भारतीय क्रिकेट टीम शुभमन गिल की कप्तानी में इस वक्त इंग्लैंड में 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है, लेकिन टेस्ट टीम से दूर चल रहे भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन इंग्लैंड में अभी काउंटी चैंपियनशिप में नॉटिंघमशायर के लिए खेल रहे हैं। इशान ने काउंटी चैंपियनशिप में इस टीम के लिए डेब्यू किया और फिर यॉर्कशायर के खिलाफ पहली पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी की।भारत के लिए 2 टेस्ट मैच चुके इशान किशन पहली बार काउंटी चैंपियनशिप में खेल रहे हैं। उन्हें नॉटिंघमशायर ने दो मैच के लिए साइन किया है। यॉर्कशायर के खिलाफ इशान किशन को प्लेइंग इलेवन में जगह मिली। और पहली पारी में बल्लेबाजी के लिए उन्हें छठे नंबर पर भेजा गया। इशान ने मैदान पर आते ही तेज गति से रन बनाना शुरू कर दिया और विपक्षी गेंदबाजों पर जमकर बरसे।

राजधानी

कांग्रेसी नेता सिर्फ सोशल मीडिया तक सिमटे, हमारी सरकार के डेढ़ साल के कार्यों ने कांग्रेस के 5 सालों को पीछे छोड़ा : मुख्यमंत्री

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नारा राष्ट्र की एकता और अखंडता का प्रतीक : भजनलाल शर्मा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेसी नेताओं के सोशल मीडिया पर किए जा रही पोस्ट पर चुटकियां लेते हुए कहा कि कांग्रेसी नेता सिर्फ सोशल मीडिया तक सिमट कर रह गए। कांग्रेसी कहते है कि सीएम रूकते नहीं , जबकि मैं कहता हूं कि होटलों में रूकने के लिए तो कांग्रेसी ही काफी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कुछ लोग कह रहे है बिजली नहीं आ रही, मुझे बता तो दो कहा नहीं आ रही, मैं डेढ़ साल का हिसाब और आप अपना पुराना पाँच का हिसाब लेकर आ जाना बता दूँगा। मैंने डेढ़ साल में तुम्हारे पाँच सालों को पीछे छोड़ दिया है।

भजनलाल शर्मा ने यह बातें सोमवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर प्रदेश कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कही।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के 5 साल में बिजली उत्पादन, घरेलु और कृषि कनेक्शन जारी करने के आंकड़ों की तुलना हमारी सरकार के 1.5 साल में किए गए कार्य से करें तो वस्तुस्थिति स्पष्ट हो जाएंगी। कांग्रेसी ट्विट करते है जबकि हमारी सरकार धरातल पर काम कर रही है। कांग्रेस ने हमेशा भेदभाव की राजनीति की और गरीबी हटाओ का नारा देकर गरीबों को लूटा, जबकि भाजपा की विचारधारा 'राष्ट्र प्रथम' की है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आज का दिन केवल स्मरण का नहीं, प्रेरणा का दिन है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नारा दिया एक देश में दो विधान, दो निशान नहीं चलेंगे, वह कोई राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता का प्रतीक था और भारत की आत्मा की पुकार था। उन्होंने कहा कि जनसंघ की स्थापना कर वैकल्पिक राजनीतिक विचारधारा को जन्म देने वाली 14 लोगों की पार्टी आज 14 करोड़ कार्यकर्ताओं का संगठन बनकर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर सोमवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने राष्ट्रवाद को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वो कश्मीर हमारा है का नारा आज भी जीवंत है। कश्मीर से धारा 370 हटाने की उनकी प्रतिबद्धता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया।

राम मंदिर निर्माण हो या अनुच्छेद 370 का समाप्त होना, यह सब उनकी दूरदर्शी सोच और बलिदान का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों के भारत को साकार करने के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का जो संकल्प लिया गया है, उसे हम सभी को पूरा करना होगा।

हमारी सरकारें गरीब, महिला, किसान और युवा के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। कांग्रेस की इसी गरीबों को लूटने वाली नीति के चलते जो पार्टी पंचायत से लेकर संसद तक थी, वह राष्ट्रवाद से हार गई। भाजपा राष्ट्र के लिए समर्पित विचारधारा की पार्टी है। भाजपा समर्पित कार्यकर्ताओं की फौज है, जो सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचा रही है। हम संगठन और सेवा-दोनों क्षेत्रों में समान रूप से सक्रिय हैं।

- पंचायत से लेकर संसद तक कांग्रेस ने विचारधारा को छोड़ा तो हुई बड़ी गर्त : मुख्यमंत्री
- डॉ. मुखर्जी राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना और राजनीतिक शुद्धिकरण के प्रेरणास्त्रोत : मदन राठौड़

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा कल से पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय पखवाड़ा का आयोजन करेगी। इसमें अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुँचाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने बजट में 5 हजार गांवों को बीपीएल मुक्त करने के लिए घोषणा की थी। इस बजट घोषणा के क्रियान्वयन में भाजपा सरकार ने 300 करोड का बजट जारी किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यक्रम के बाद प्रत्येक कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने कहा कि डॉ. मुखर्जी राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना और राजनीतिक शुद्धिकरण के प्रेरणास्त्रोत हैं। उनका जीवन एक विचार, एक उद्देश्य और एक समर्पण की मिसाल है। मुखर्जी जी का परिवार स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा था। राष्ट्रवाद की भावना उन्हें विरासत में मिली। बंगाल विभाजन के समय उन्होंने आंदोलन किया, विधानसभा से इस्तीफा दिया और निर्दलीय चुनाव जीतकर लोगों की आवाज बने। मुखर्जी जी स्वतंत्र भारत की पहली सरकार में मंत्री बने, परंतु जब उन्होंने सरकार में तुष्टीकरण और सांस्कृतिक अपमान देखा तो इस्तीफा दे दिया। उस समय कश्मीर में पाकिस्तान समर्थित कबायली हमला हुआ। कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने भारत में विलय की इच्छा जताई, पर प्रधानमंत्री नेहरू ने समय तक नहीं दिया। परिणामस्वरूप आधा कश्मीर पाक अधिकृत हो गया। मुखर्जी को यह स्वीकार नहीं था कि भारत में दो विधान, दो संविधान और दो निशान हों जबकि कश्मीर भारत का अंग था। उन्होंने इस अन्याय का विरोध किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि नेहरू सरकार निरंकुश थी, शेख अब्दुल्ला से उनके व्यक्तिगत रिश्ते राष्ट्रहित पर हावी हो गए। विरोध करने वालों को कुचला गया। डॉ. मुखर्जी ने सत्य और राष्ट्रहित के लिए मंत्री पद त्याग किया। उन्होंने बताया कि जनसंघ की स्थापना मुखर्जी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के साथ मिलकर की थी। पहले ही चुनाव में पार्टी ने 3 सांसद और 23 विधायक जीतकर राजनीतिक विकल्प के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

बर्लिन यात्रा के दौरान देवनानी ने किये वेदांत दर्शन

राजस्थान विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बर्लिन यात्रा के दौरान स्वामी बनेशानंद से भेंट की।

- यूरोप में भारतीय अध्यात्म का आलोक : देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी बर्लिन मे सोमवार को रामकृष्ण मिशन केंद्र के बेलूर मठ गए । उन्होंने वेदांत गेसेल शाफ्ट संस्था के प्रतिष्ठित केंद्र का अवलोकन किया।

बेलूर मठ रामकृष्ण मिशन का आध्यात्मिक केंद्र है। इस अवसर पर उन्हें स्वामी बनेशानंद से भेंट की । दोनों के मध्य सनातन, आध्यात्मिक और भारतीय संस्कृति पर संवाद हुआ। देवनानी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित रामकृष्ण मिशन के इस यूरोपीय केंद्र में अद्वैत वेदांत, योग और ध्यान के माध्यम से भारतीय दर्शन का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। यह केंद्र न केवल बौद्धिक चिंतन का स्थल है, बल्कि यह मानवता की सेवा और आत्म-जागरूकता को समर्पित एक प्रकाश-स्तम्भ के रूप में कार्य कर रहा है। वासुदेव देवनानी और स्वामी बनेशानंद ने वेदांत दर्शन, भारतीय संस्कृति के वैश्विक स्वरूप और आधुनिक युग में अध्यात्म की आवश्यकता जैसे गूढ़ विषयों पर चर्चा की । इस संवाद को श्री देवनानी ने आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण और जीवन-दृष्टि को व्यापक बनाने वाला बताया। इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा और रामकृष्ण मिशन का कार्य भारत की आत्मा को वैश्विक मंच पर मुखर करता है। अन्य देशों में यह केंद्र भारतीयता की दिव्य ज्योति को विश्वभर में प्रज्ज्वलित कर रहे हैं। यह केंद्र भारत और यूरोप के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुल के रूप में एक महत्वपूर्ण है। श्री देवनानी ने इस केंद्र को आध्यात्मिक तीर्थ बताया, जहाँ विचार, साधना और सेवा के त्रिवेणी संगम के दर्शन होते हैं।

ऐसे भी फर्जी आवेदक उम्र महज 29 वर्ष पर 11 विषयों में एम.ए. उत्तीर्ण

जयपुर । राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के अन्तर्गत प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों की जांच में बिना योग्यता आवेदन करने के कई प्रकरण सामने आए हैं। ऐसा ही एक मामला वर्तमान में आयोजित की जा रही प्राध्यापक एवं कोच प्रतियोगी परीक्षा-2024 से जुड़ा है।

प्रकरण में मनीषा कटारा पुत्री नाथू कटारा निवासी भीमखोरा, ग्राम टांडीकलां, तहसील कुशलगढ़, जिला बांसवाडा ने स्वयं को 11 विषयों में एमए बताते हुए इन विषयों के पदों हेतु आवेदन किए है।

आयोग द्वारा इस संबंध में अभ्यर्थी मनीषा कटारा के ऑनलाइन आवेदन में दिए गए रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर संपर्क कर अवगत कराने का प्रयास भी किया पर अभ्यर्थी ने न तो फोन उठाया न ही पुन: संपर्क का प्रयास किया। अब आयोग महज 29 वर्ष की आयु में 11 विषयों में डिग्री की असत्य घोषणा कर आवेदन करने के इस प्रकरण में व्यक्तिगत सुनवाई कर अभ्यर्थी के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करेगा। अभ्यर्थी ने राजनीति विज्ञान, इतिहास, बॉयोलोजी, केमिस्ट्री, सोशियोलॉजी, इकोनोमिक्स, पंजाबी, ड्राइंग, होम साइंस, राजस्थानी म्यूजिक विषय में एम.ए. होने का दावा किया है।

बेवजह काम अटकाने वाले अफसरों पर होगी सख्त कार्रवाई : दिया कुमारी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को शासन सचिवालय में जयपुर जोन प्रथम एवं द्वितीय की सड़क व अन्य परियोजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी लंबित कार्यों की स्पष्ट समय सीमा तय करें और उन्हें निर्धारित समय में पूरा करें। उन्होंने चेतावनी दी कि जो अधिकारी कार्यों को अनावश्यक रूप से लंबित रखेंगे, उन पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, सीकर, झुंझुनूं, अलवर, कोटपूतली-बहरोड़ जिलों की सड़क परियोजनाओं की माइक्रो लेवल पर समीक्षा की गई। उपमुख्यमंत्री ने वन, भूमि विवाद अथवा अन्य कारणों से अटकी परियोजनाओं को शीघ्र गति देने हेतु संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आगामी पांच सप्ताह में अधिकारी फील्ड विजिट की रिपोर्ट पेश करें, यह बताएं कि कहां निरीक्षण किया गया और वहां मिली खामियों में कितना सुधार किया गया। साथ ही, बैठक में दिए गए निर्देशों पर कितनी प्रगति हुई, इसकी विस्तृत रिपोर्ट पेश की जाए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अधिकारियों से सीधे सवाल किया - जब आपके पास जलभराव या बाढ़ की सूचना आती है, तो आप क्या एक्शन लेते हैं? उन्होंने अधिकारियों को एक्टिव मोड में रहने और सभी आवश्यक संसाधनों की पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने जानकारी दी कि राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया जा चुका है और प्रत्येक जिला मुख्यालय पर भी नियंत्रण कक्ष क्रियाशील है। प्रत्येक एईएन कार्यालय में 1000 भरे हुए व 5000 खाली मिट्टी के कट्टे, उपखंड स्तर पर कोल्ड मिक्स मटेरियल के 50 बैग तथा अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा, रेट कॉन्ट्रैक्ट भी किया जा चुका है ताकि भारी बारिश या बाढ़ की स्थिति में सड़कों की मरम्मत तुरंत की जा सके।

'साइबेरियन क्रेन जैसे प्रवासी पक्षियों को पुनः राजस्थान लाने की योजना बनायें'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने राज्य वन्य जीव मंडल की बैठक में वन्य जीव प्रबंधन कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग के निर्देश दिये

जयपुर, 23 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वन्यजीव संसाधन राज्य की गौरवशाली पहचान है। वन्यजीवों का संरक्षण एवं संवर्धन करना हम सभी की अहम जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार वन्यजीवों तथा जैव विविधता के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। शर्मा ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वन्यजीव प्रबंधन के कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग हो। इसमें जनता की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य वन्यजीव मण्डल की 15वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में वन्यजीव पारिस्थितिकी तंत्र के मुख्य घटक होते हैं। ऐसे में वन्यजीवों के महत्व को लेकर व्यापक स्तर पर जागरुकता पैदा की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश के वन्यजीव संसाधनों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों से वन्यजीव संरक्षण के संबंध में सुझाव लिए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन हमारी विरासत हैं। प्रकृति का संरक्षण पुण्य समान है। इसलिए पर्यावरण संरक्षण के लिए छोटे-छोटे विषयों पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने लैन्टाना उन्मूलन की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को राज्य वन्यजीव मण्डल की 15वीं बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश के वन्यजीव संसाधनों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

एसओपी का अनुमोदन किया। साथ ही, जूली फ्लोरा को अभियान चलाकर जन सहयोग से हटाने और उनके स्थान पर अन्य पौधे लगाने के निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि साइबेरियन क्रेन जैसे प्रवासी पक्षियों को पुनः राजस्थान में लाने के लिए कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा वन्यजीव क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने संस्था प्रतिनिधियों से कहा कि वन्यजीव संरक्षण और संवर्धन की दिशा में आगे बढ़ें, राज्य सरकार पूर्ण रूप से आपके साथ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने मानसून में 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को कहा कि हर गांव-हर शहर में वन मित्र और वृक्ष मित्र

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने मानसून में 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा, वन विभाग हर गाँव व हर शहर में वन मित्र और वृक्ष मित्र बनाये।**

बनाए जाएं, उनके सामूहिक प्रयासों से ही प्रदेश पर्यावरण संरक्षण की दिशा में और आगे बढ़ेगा। राज्य वन्यजीव मंडल द्वारा पूर्व में सर्कुलेशन के माध्यम से अनुमोदित 65 वन्यजीव स्वीकृति प्रकरणों का अनुमोदन किया गया। साथ ही, राज्य वन्यजीव मंडल ने सोमवार की बैठक में 24 प्रस्तावों का अनुमोदन किया। इससे वन्यजीव संरक्षण व संवर्धन के कार्यों को गति मिलेगी।

इस दौरान, राज्य के वन्य क्षेत्रों में विकास से सम्बंधित विभिन्न प्रस्तावों सहित अन्य विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा सहित, समिति सदस्य, विभागीय अधिकारी और विषय विशेषज्ञ उपस्थित थे।

यूट्यूबर ज्योति की न्यायिक हिरासत 14 दिन और बढ़ी

हिसार, 23 जून। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की सोमवार को हिसार न्यायालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी हुई, जिसके बाद ज्योति को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

अब मामले की अगली सुनवाई सात जुलाई को होगी। ज्योति को 16 मई को

- **यूट्यूबर ज्योति, जो पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार की गई थी, की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हिसार कोर्ट में पेशी हुई।**

हिसार पुलिस ने उसके घर से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद वह नौ दिन तक पुलिस रिमांड पर रही। फिर 23 जून को कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजा था। इससे पहले उसकी बेल याचिका निचली अदालत ने खारिज कर दी थी। ज्योति के वकील कुमार मुकेश का कहना है कि वे अब सेशन कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल करेंगे और कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। उनका कहना है कि ज्योति पर जो धाराएं लगाई हैं वे गलत हैं। वहीं कुमार मुकेश का कहना है कि हालांकि पुलिस की चार्जशीट से पता चलेगा कि पुलिस ने किस आधार पर ज्योति पर कार्रवाई की है।

ईडी ने महेश जोशी व बेटे के खिलाफ परिवाद पेश किया

जल जीवन मिशन के 200 करोड़ रूपए के घोटाले से जुड़े प्रकरण में कुल 18 आरोपियों के खिलाफ परिवाद पेश हुआ

जयपुर, 23 जून। जल जीवन मिशन के करीब 900 करोड़ रुपए के घोटाले से जुड़े ईडी प्रकरण में जांच एजेंसी ने ईडी मामलों की विशेष अदालत में पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी और उनके बेटे रोहित जोशी सहित, कुल 18 आरोपियों के खिलाफ परिवाद पेश किया है।

ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर अंशुल की ओर से पेश परिवाद में पीएमएलए एक्ट की धारा 3 व 4 के तहत आरोप लगाए गए हैं। परिवाद में कहा गया कि सह आरोपियों के जरिए, महेश जोशी तक रिश्वत की राशि पहुंचाई जाती थी। आरोपियों की फर्म से महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी की फर्म को भी करीब पचास लाख रुपए का भुगतान किया गया था। आरोपी फर्म ने पूर्णता प्रमाण पत्र के जरिए करोड़ों रुपए के टेंडर का भुगतान लिया है। जब इन प्रमाण पत्रों की जांच की गई तो वे फर्जी निकले।

ईडी ने महेश जोशी और रोहित जोशी के साथ ही, मैसर्स श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी, मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी, संजय बड़ाया, मुकेश पाठक, मायालाल सैनी, राकेश सिंह, प्रदीप कुमार, प्रवीण कुमार अग्रवाल, मलकेत सिंह, विशाल सक्सैना, महेन्द्र प्रकाश सोनी, मैसर्स सुमंगलम लैंडमार्क एलएलपी, हिमांशु

- **परिवाद में कहा गया है कि सह आरोपियों के जरिए महेश जोशी तक रिश्वत की राशि पहुँचाई जाती थी।**
- **आरोपी फर्म ने पूर्णता प्रमाण पत्र के जरिए करोड़ों रूपयों का भुगतान किया। प्रमाण पत्रों की जाँच की गई तो वे फर्जी निकले।**

रावत, नमन खंडेलवाल, तन्मय गोयल और हेमराज गुप्ता के खिलाफ परिवाद पेश किया है।

गौरतलब है कि जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर प्रारंभ में एसीबी ने मामला दर्ज कर कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद प्रकरण में कई सौ करोड़ रुपए के लेन- देन का खुलासा होने पर प्रवर्तन निदेशालय ने मामला दर्ज किया था। ईडी ने मार्च, 2024 में महेश जोशी को समन जारी कर तलब किया था। समन जारी करने के करीब एक साल बाद ईडी ने महेश जोशी को पूछताछ के लिए बुलाया और फिर गिरफ्तार कर लिया। अदालत में पेशी के दिन महेश जोशी की पत्नी का निधन हो गया। इस कारण महेश जोशी को दो बार अंतरिम जमानत मिली। तथापि, गत दिनों ईडी मामलों की विशेष अदालत ने महेश जोशी की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया। इसके बाद जोशी की ओर से हाईकोर्ट में जमानत याचिका पेश की गई है, जिस पर आगामी दिनों में सुनवाई होनी है।

सुबोध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आई.ए.एस. अखिल अरोड़ा ने जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी एवं भू-जल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, तथा वर्ष 1995 बैच के आई.ए.एस. भास्कर आत्माराम सावंत ने भी अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह, गृह रक्षा, जेल एवं राजस्थान राज्य अन्वेषण ब्यूरो एवं पदेन मुख्य सतर्कता आयुक्त, एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग का कार्यभार संभाला।

आई.ए.एस. डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अध्यक्ष, तथा वासुदेव मालावत ने आईसीडीएस के निदेशक पद का कार्यभार ग्रहण किया है।

नाबालिग से दुष्कर्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने बताया कि पीड़िता के पिता ने 11 मई, 2019 को भांकरोटा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि अभियुक्त उनके यहाँ किराए पर रहता था। मातादीन शर्मा की 16 साल की बेटी 6 अप्रैल की रात करीब एक बजे टॉयलेट के लिए उठी थी। इस दौरान अभियुक्त उसे जबरन अपने कमरे में ले गया और दरवाज़ा बंद कर छेड़छाड़ करने लगा। पीड़िता के चाचा ने आवाज़ सुनकर अभियुक्त के कमरे को खुलवाया। अभियुक्त उसे धमकी देकर भाग गया। रिपोर्ट में कहा गया कि बाद में अभियुक्त ने पीड़िता को जबरन मोबाइल फोन दिया और अब फोन पर धमकी देता है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए अदालत ने अभियुक्त के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान, पीड़िता ने एफआईआर के तथ्यों को दोहराते हुए अदालत को बताया कि अभियुक्त ने एक रात उसे फोन कर बाहर बुलाया और पास के खाली मकान में ले जाकर दुष्कर्म किया। इसके बाद वह आकर सो गईं। अगले दिन जब अभियुक्त का फोन आया तो चाचा ने उसे फोन पर बात करते हुए देख लिया। इसके बाद मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

ईरान ने कतर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बड़ा असर नहीं हुआ है क्योंकि अमेरिकी पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने ईरानी मिसाइलों को रोक दिया है। कतर की राजधानी दोहा में विस्फोटों की आवाजें सुनाई दींऔर रात के आसमान में प्रक्षेपास्त्र दिखाई दिए। इसके अलावा कतर ने 'नागरिकों, निवासियों, आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने' के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया।(भारतीय दूतावास ने मौजूदा स्थिति को देखते हुए कतर में भारतीय समुदाय से सतर्क रहने और घर के अंदर रहने का आग्रह किया जाता है। कृपया शांत रहें और कतर के अधिकारियों द्वारा दिए गए स्थानीय समाचारों, निर्देशों और मार्गदर्शन का पालन करें। दूतावास हमारे सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से भी अपडेट करता रहेगा। कतर के प्रधानमंत्री के सलाहकार और विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता माजिद अल अंसारी ने ट्वीट किया, कतर राज्य ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड द्वारा अल-उदीद एयर बेस पर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता है।

अपेक्षित से ही रहे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस बार अनवर ने फिर निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ा, लेकिन वे कांग्रेस और सीपीएम, दोनों से पीछे चल रहे हैं। शौक़त के पिता आर्यादन मोहम्मद नीलांबुर से आठ बार विधायक रह चुके हैं। केरल और बंगाल में विधानसभा चुनाव अगले वर्ष होंगे।

कांग्रेस की यह जीत पार्टी के लिए संजीवनी साबित हो सकती है, जिसे केरल में वामपंथियों और भाजपा, दोनों से चुनौती का सामना करना है। ज्ञातव्य है कि भाजपा केरल में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही है। गुजरात की विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी के इटालिया गोपाल ने भाजपा के किरीट पटेल को 17,554 वोटों से हराया। 2022 में आप ने विसावदर समेत पांच सीटें जीती थीं, लेकिन विधायक भूपेन्द्र भयानी बाद में भाजपा में शामिल हो गए। गुजरात की कड़ी विधानसभा सीट भाजपा ने अपने पास बनाए रखी। यह उपचुनाव भाजपा विधायक करसन सोलंकी के निधन के कारण हुआ थाउत्तर भारत में लुधियाना वेस्ट से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी संजीव अरोड़ा कांग्रेस के भारत भूषण आशु से 10,000 से अधिक वोटों से आगे रहे।

प.बंगाल विधानसभा में हंगामा, भाजपा के चार विधायक निलम्बित

स्पीकर बिमान बनर्जी ने चारों विधायकों को पूरे मानसून सत्र के लिए निलम्बित कर दिया

कोलकाता, 23 जून। पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चार विधायकों को सदन में, कथित तौर पर, अभद्र व्यवहार करने के आरोप में मौजूदा मानसून सत्र के लिए निलंबित कर दिया। इसके विरोध में भाजपा विधायकों ने नारेबाजी करते हुए विधानसभा से बर्हिगमन किया।

निलंबित भाजपा विधायकों में अग्निमित्र पॉल, मुख्य सचेतक शंकर घोष, मनोज ओरांव और दिलीप बर्मन शामिल हैं। उन पर अध्यक्ष का अनादर और सदन में अभद्र व्यवहार करने का आरोप है। आरोप है कि निलम्बित विधायकों ने मार्शल से हाथापाई भी की।

बीजेपी के अन्य विधायक भी हाथापाई में शामिल हो गए। पुरुलिया के विधायक सुदीप मुखर्जी ने कथित तौर पर मार्शलों का कॉलर पकड़ लिया। हंगामे के दौरान बीजेपी नेता मिहिर गोस्वामी जमीन पर गिर गए, जबकि शंकर उनके बगल में खड़े थे। उनकी आंखों पर लगा चश्मा गिर गया और भीड़ के दबाव के कारण वह टूट गया।

अध्यक्ष ने मार्शल को निलंबित भाजपा विधायकों को सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया, जिससे सदन

- **बिमान बनर्जी ने निलम्बित विधायकों पर स्पीकर का अनादर करने का आरोप लगाया और निलम्बित विधायकों को मार्शल द्वारा बाहर ले जाने का आदेश दिया, आरोप है कि सभी भाजपा विधायकों ने इस पर वॉक आउट किया और मार्शल से हाथापाई भी की।**
- **स्पीकर ने कहा, भाजपा विधायक अपनी बात कह कर सदन से चले जाते हैं मंत्री का जवाब नहीं सुनते इसलिए उनके भाषण कार्यवाही में शामिल नहीं किए जाएंगे। इसके बाद हंगामा शुरु हो गया।**

में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी सहित अन्य पार्टी विधायक नाराज होकर कुछ देर तक आसन के पास खड़े रहे और अंत में वे अपने सभी विधायकों को सदन से बाहर ले गए।

जानकारी के मुताबिक, हाथापाई में विधानसभा के कई कार्यकर्ता भी घायल हुए हैं। इस सूची में मार्शल देवव्रत मुखर्जी और डिप्टी मार्शल तन्मय बनर्जी के अलावा, अदिति मुखर्जी, पियाली बाल और रेशमा खातून जैसी महिला कार्यकर्ता भी शामिल हैं। कई लोगों को चोटें आई हैं। उन्हें फर्स्ट ऐड भी मुहैया कराया गया है। जिस समय बीजेपी के चार विधायकों को विधानसभा से बाहर ले जाया गया। उस समय भगवा पार्टी के अन्य विधायक हिंदू विरोधी सरकार अब नहीं चाहिए जैसे नारे लगा रहे थे। सदन के बाहर भाजपा कार्यकर्ता धरना-प्रदर्शन कर रहे थे।

सदन में सुबह उस समय अफरा-तफरी का माहौल रहा, जब भाजपा विधायक अशोक लाहिड़ी ने आसन से पूछा कि पिछले गुरुवार को जब वे बोले थे तो उनके बयान को रिकॉर्ड से क्यों हटा दिया गया।

गौरतलब है कि गुरुवार को अध्यक्ष ने फैसला सुनाया कि चर्चा के दौरान भाजपा विधायकों के भाषणों को रिकॉर्ड से हटा दिया जाए, क्योंकि संबंधित मंत्री के जवाब देने के दौरान विपक्षी विधायक सदन से बाहर चले गए थे।

प.बंगाल में चुनाव की जीत के जश्न में विस्फोट

कोलकाता, 23 जून। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में कालीगंज विधानसभा क्षेत्र के मोलंदी इलाके में सोमवार को अज्ञात बदमाशों के एक समूह ने सॉकेट बम फेंका, जिसमें एक नाबालिग लड़की की मौत हो गई।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस क्षेत्र में 19 जून को हुए उपचुनाव के लिए मतगणना चल रही है। गत 19 जून को इस सीट के लिए मतदान हुआ था। आज सुबह आठ बजे से मतगणना

- **कालीगंज विधानसभा सीट में हुए इस विस्फोट में एक छोटी बालिका की मौत हो गई।**
- **मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बालिका की मौत पर दुख जताया तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के आदेश दिए।**

शुरू हुई थी। सूत्रों के मुताबिक, पीड़िता की मां ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने अपनी पार्टी के उम्मीदवार अलीफा अहमद की जीत का जश्न मनाने के दौरान सॉकेट बम से विस्फोट किया, जिसमें उनकी पुत्री तमन्ना खातून की मौके पर ही मौत हो गयी। तमन्ना चौथी कक्षा की छात्रा थी। घटना के समय तमन्ना अपनी मां के साथ नहाने के लिए पास के एक जलाशय में जा रही थी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तमन्ना की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, कृष्णानगर के बारोचंदगर में हुए विस्फोट में एक नाबालिग किशोरी की मौत पर मैं स्तब्ध और बहुत दुखी हूं। दुख की इस घड़ी में मेरी प्रार्थनाएं और संवेदनाएं परिवार के साथ हैं। पुलिस दोषियों के खिलाफ सख्त और निर्णायक कानूनी कार्रवाई करेगी।

इज़रायल ने तेहरान की एविन जेल पर हमला किया

- **जवाब में ईरान ने इज़रायल पर कई मिसाइलें दागी**
- **इज़रायल ने कहा कि एविन जेल ईरान में राजनैतिक दमन का प्रतीक है और इज़रायल दमन के सभी केन्द्रों पर हमले करेगा।**
- **जवाबी कार्यवाही में ईरान ने इज़रायल पर 40 मिनट में 6-7 मिसाइलें दागी, हालांकि इस हमले में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।**

तेल अवीव/तेहरान, 23 जून। ईरान की राजधानी तेहरान में एविन जेल पर इज़रायली वायुसेना ने हमला किया है। जवाब में ईरान ने भी इज़रायल पर कई हवाई हमले किए।

ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, यह हमला जेल के प्रशासनिक, सुरक्षा और अदालत खंडों को निशाना बनाकर किया गया। ज्ञातव्य है कि इस जेल को लंबे समय से राजनीतिक दमन का प्रतीक माना जाता है।

इजरायली हमले में एविन जेल के मुख्य द्वार क्षतिग्रस्त हो गये। फिलहाल, कैदी सुरक्षित हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशन गाड्र्स कोर (आईआरजीसी) के आधिकारिक मीडिया तस्नीम समाचार ने बताया कि उत्तरी तेहरान के एविन पड़ोस में एक विद्युत फीडर पर हमला किया गया जिससे इलाके में बिजली की आपूर्ति ठप हो गयी। इजरायली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने आज कहा, अब इजरायली सेना तेहरान के बीचों-बीच ईरानी सरकार के प्रतिष्ठानों और दमन करने वाले कार्यालयों पर जबरदस्त हमला कर रही है। उन्होंने कहा है कि इजरायल पर हर हमले के बदले ईरानी तानाशाह को सज़ा दी जायेगी, और हमारी जवाबी कार्रवाई पूरी ताकत से जारी रहेगी। इजरायली हवाई हमलों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरान ने सोमवार को इजरायल पर हवाई हमलों की झड़ी लगा दी, जिससे दक्षिणी इजरायल में हजारों इजरायलियों को भूमिगत बंकरों में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा, जबकि एक ईरानी मिसाइल के हमले में बिजली ग्रिड बाधित होने की खबर है।

'द टाइम्स आफ इजरायल' के मुताबिक, हमलों में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और अधिकांश बुनियादी ढ ांचा सुरक्षित है, लेकिन दक्षिणी इजरायल में बिजली ग्रिड के बाधित होने की सूचना है।

इजरायली रक्षा बलों ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि ईरान द्वारा 40 मिनट की अवधि में चार श्रृंखलाओं में छह-सात मिसाइलें दागी गईं। इजरायल इलेक्ट्रिक कॉरपोरेशन ने कहा कि बैलिस्टिक मिसाइल दक्षिणी इजरायल में एक 'रणनीतिक बुनियादी ढ ांचा सुविधा' के पास टकराई जिससे क्षेत्र के कई शहरों में अस्थायी रूप से बिजली गुल हो गई। आईडीएफ के मुताबिक, लगभग एक घंटे बाद एक और बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई, जिसे सफलतापूर्वक रोक दिया गया और उससे किसी भी प्रकार के जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ।

लालू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की जांच 24 जून के पूर्वाह्न में की जाएगी। उसी दिन दोपहर तक नामांकन वापस लेने की प्रक्रिया भी पूरी होगी। यदि यादव का नामांकन वैध पाया गया और उन्होंने अपना नाम वापस नहीं लिया तो उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया जाएगा। पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक 05 जुलाई को आयोजित की जाएगी, जिसमें इस प्रक्रिया की पुष्टि के साथ औपचारिक रूप से उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की घोषणा की जाएगी।

तकनीकी कारणों से एयर इंडिया का विमान वापस दिल्ली उतरा

नयी दिल्ली, 23 जून। एयर इंडिया के विमानों में तकनीकी खराबी की घटनाएँ कम नहीं हो रहीं हैं। सोमवार को दिल्ली से जम्मू जाने वाले एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में तकनीकी समस्या आने के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद उसे वापस उतारना पड़ा।

एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि सोमवार 23 जून को दिल्ली से जम्मू के लिए संचालित होने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स 2564 को उड़ान भरने के बाद वापस दिल्ली उतारना पड़ा।

उन्होंने कहा कि तकनीकी समस्या के कारण मूल विमान के दिल्ली लौटने के बाद हमारी दिल्ली-जम्मू उड़ान को संचालित करने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई।

भारत को आशंका है, ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

या बारूदी सुरंगें बिछाना। ऐसे कदम बाजारों में अस्थिरता ला सकते हैं, खाड़ी की ओर जाने वाले टैंकरों के बीमा का प्रीमियम बढ़ा सकते हैं, और पूरे एशिया की तेल आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाओं को झटका दे सकते हैं।

भारत, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है, अपनी कच्चे तेल की ज़रूरतों का 60 प्रतिशत से अधिक खाड़ी क्षेत्र से प्राप्त करता है, जिसमें अधिकांश आपूर्ति होरमुज़ से होकर गुजरती है। थोड़े समय के व्यवधान से भी भारत की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है।

ब्रेंट क्रूड की कीमत 100-105 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है, जिससे भारत का तेल आयात बिल बढ़ेगा, व्यापार घाटा और रुपया कमजोर होगा, और ईंधन (तेल) की कीमत बढ़ेगी। खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी से घरेलू बजट पर दबाव पड़ेगा और सरकार को ईंधन पर उत्पाद शुल्क में कटौती करनी पड़ सकती है, जिससे राजकोषीय संतुलन प्रभावित होगा।

केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने स्थिति को लेकर आश्वासन देने की कोशिश की है, यह बताते हुए कि भारत हाल के वर्षों में ऊर्जा की सप्लाई करने वाले स्रोतों में विविधता लाया है, जिसमें रूस से रियायती दर पर मिलने वाला तेल भी शामिल है, और तेल बेचने वाली कंपनियों के पास भी कई हफ्तों का बफर स्टॉक है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि "ईंधन स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।" लेकिन सरकारी अधिकारी भी यह स्वीकार करते हैं कि तेल और गैस "बेहद संवेदनशील क्षेत्र (चीजें)" हैं तथा इसलिये दीर्घकालिक व्यवधान आर्थिक और रणनीतिक रूप से गहरा संकट ला सकता है।

आर्थिक प्रभाव से परे, भारत को क्षेत्रीय स्तर पर भी कई कमजोरियों का सामना करना पड़ सकता है। खाड़ी देशों में 80 लाख से अधिक भारतीय रहते और काम करते हैं, जिससे किसी भी तरह का तनाव मानवीय संकट का रूप ले सकता है। धन का प्रवाह प्रभावित हो सकता है और आपातकालीन निकासी योजनाएं सक्रिय करनी पड़ सकती हैं। इसके अलावा, भारत के रणनीतिक निवेश, विशेषकर ईरान में चाबहार बंदरगाह, भी प्रभावित हो सकते हैं, जिससे मध्य एशिया तक उसकी पहुंच संकट में पड़ सकती है। समुद्री असुरक्षा भारत की शिपिंग कंपनियों और गुजरात से केरल तक के पश्चिमी तटीय बंदरगाहों को भी प्रभावित कर सकती है।

राजनयिक स्तर पर भी, नई दिल्ली को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। उसके ईरान और इज़रायल, दोनों से ही रणनीतिक संबंध हैं, और अमेरिका के साथ भी निकटता बढ़ रही है। जैसे-जैसे यह संघर्ष और गहरायेगा, भारत के लिए अपनी संतुलित तटस्थता बनाए रखना कठिन होता जाएगा। कोई भी चूक इन संबंधों में तनाव पैदा कर सकती है, खासकर ऐसे समय में, जब भारत वैश्विक स्तर पर प्रभाव बढ़ाना चाहता है।

हालांकि होरमुज़ स्ट्रेट को औपचारिक रूप से बंद नहीं किया गया है, लेकिन इसके जोखिम सिर्फ काल्पनिक नहीं हैं। खाड़ी क्षेत्र में व्यवधान की केवल चर्चा भर से ही बाजारों में हलचल और कूटनीतिक चिंता उत्पन्न हो सकती है। भारत के लिए यह केवल विदेश नीति का मुद्दा नहीं है, यह एक घरेलू आर्थिक चुनौती है, जो किसी भी समय सामने आ सकती है।

अमेरिका ने ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैमर के दौरान ईरान के खिलाफ विमानों की उड़ान के लिए अमेरिका द्वारा भारतीय हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल किया गया था। यह दावा फर्जी है। ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के दौरान अमेरिका द्वारा भारतीय हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं किया गया था। पीआईबी ने सबूत के तौर पर अमेरिकी सेना के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन की प्रेस ब्रीफिंग का लिंक संलग्न किया, जिसमें जनरल डैन केन ने अमेरिकी विमानों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले मार्ग के बारे में स्पष्ट रूप से बताया है।

जनरल डैन केन के अनुसार, शुक्रवार आधी रात से शनिवार सुबह तक, बमों से युक्त सात बी-2 स्पिरिट बमवर्षक स्ट्राइक पैकेज में भारत की सीमा के विपरीत दिशा से पश्चिम की ओर से आये थे। इससे पुष्टि होती है कि भारतीय हवाई क्षेत्र इस मिशन का हिस्सा नहीं था। गौरतलब है कि शनिवार देर रात को अमेरिका द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए ऑपरेशन मिडनाइट हैमर में ईरान के फोर्डो, नतांज और इस्फ़हान में स्थित प्रमुख परमाणु ढ ांचों को निशाना बनाया गया। इसमें स्टील्थ बॉम्बर्स और पनडुब्बियों द्वारा दागे गए बंकर-बस्टर बमों सहित, 75 सटीक-निर्देशित हथियारों का इस्तेमाल किया गया। ऑपरेशन के बाद, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे कि एक्स पर कई पोस्ट सामने आए, जिनमें दावा किया गया कि अमेरिकी बमवर्षक विमानों ने भारत के रास्ते ईरान में प्रवेश किया था। इन दावों ने सोशल मीडिया पर इस बात को लेकर उन्माद को जन्म दिया कि भारत ने हमले के लिए अपने हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। इस बीच, पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने संतुलित रुख बनाए रखा है और मध्य पूर्व में तनाव को कम करने का आव्हान किया है।(केन्द्र सरकार ने रविवार को सोशल मीडिया पर चल रहे उन दावों और रिपोर्टों का खंडन किया, जिनमें कहा गया था कि अमेरिकी सेना ने शनिवार रात ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के दौरान ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हवाई हमले करने के लिए भारतीय हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल किया था। एक आधिकारिक बयान में प्रेस सूचना ब्यूरो ने इस वायरल पोस्ट को झूठा बताया। हमले के बाद, कई सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि अमेरिका ने भारतीय हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल किया था।

रैज़िडैंट डॉक्टर की करंट से मौत पर मानवाधिकार आयोग ने रिपोर्ट माँगी

जयपुर, 23 जून। राज्य मानवाधिकार आयोग ने उदयपुर के रवीन्द्रनाथ टैगोर मेडिकल कॉलेज के पीजी हॉस्टल में वॉटर कूलर से करंट लगने पर रैज़िडैंट डॉक्टर की मौत के मामले में तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की है। आयोग ने मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य, एसएमएस मेडिकल कॉलेज, स्थानीय कलेक्टर, एसपी और राजस्थान मेडिकल काउन्सिल सहित पोस्टमार्टम करने वाली दोनों मेडिकल टीमों से 9 जुलाई तक तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा है। आयोग अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने ये आदेश प्रकरण में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट्स पर कार्रवाई करते हुए दिए।

आयोग ने अपने आदेश में कहा कि मेडिकल कॉलेज प्रशासन का यह दायित्व बनता है कि वह प्रत्येक छात्र की सुरक्षा व खाने-पीने की उचित व्यवस्था करे, लेकिन मेडिकल कॉलेज इसमें स्पष्ट रूप से असफल रहा है। आयोग ने कहा कि उत्तरदायित्व से बचने के लिए मृतक चिकित्सक की प्रथम

- **आयोग ने उदयपुर मैडिकल कॉलेज के प्राचार्य, मैडिकल कॉलेज, स्थानीय कलैक्टर व एसपी, राजस्थान मैडिकल काउन्सिल तथा पोस्टमार्टम करने वाली दोनों टीमों को 9 जुलाई तक तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा है।**

पोस्टमार्टम रिपोर्ट और द्वितीय पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण अलग-अलग बताया गया है। इसके लिए दोषी चिकित्सकों के खिलाफ राजस्थान मेडिकल काउन्सिल की ओर से अनुशासनात्मक कार्रवाई करके, संबंधित मेडिकल कॉलेज के प्रशासन द्वारा आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने का मामला भी बनता है। ऐसा लगता है कि इन बिंदुओं पर स्थानीय प्रशासन, रवीन्द्रनाथ टैगोर मेडिकल कॉलेज और एसएमएस मेडिकल कॉलेज के उत्तरदायी अधिकारियों की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई, जो दुखद है।

भारत मौन नहीं, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मूल रूप से, भारत की चुप्पी अब अनदेखी नहीं रह गई है। बहुपक्षीय मंचों पर मतदान से दूरी, और द्विपक्षीय वार्ताओं में धीमा कूटनीतिक रुख, इन सब संकेतों से यह स्पष्ट होता जा रहा है कि भारत अपनी ऐतिहासिक नैतिक आवाज से पीछे हट रहा है। ऐसे समय में जब वैश्विक अस्थिरता अपने चरम पर है, भारत की विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर कठिन सवाल खड़े हो रहे हैं।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908